

"आचार्य" हिमानी "शास्त्री"

ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति
मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ

अध्यक्ष; मैत्रेय फाउंडेशन

राष्ट्रीय अध्यक्ष: हिन्दू मन्दिर उत्थान एवं पुनर्निर्माण ट्रस्ट

प्रणेता; प्राचीन मंदिर उत्थान एवं पुनर्निर्माण संकल्प यात्रा (विश्वव्यापी यात्रा)

Director ; HJ GLOBAL SOLUTIONS PVT LTD
Asset management company

Director ; ARTVEDA STUDIO'S PVT LTD
Manufacturing Brand of all Interior Solutions.

लेखक एवं शोधकर्ता;
1. मंदिर एवं देव स्थापत्य के मूल सिद्धांत; प्रमुख शैलियां
2. प्रतिमा निर्माण के सिद्धांत ; भाग 1 एवं भाग 2.

dr.himanij@gmail.com

+919829021309

Artveda
Conforming "VEDAS"

MAITREYA
ORGANIZATION

HINDU
TEMPLE RESTORATION
AND DEVELOPMENT FOUNDATION

templearchitecture_ himanivedicdevsthapati

www.templearchitecture.com



“आचार्या” हिमानी “शास्त्री”

ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति
मंदिर प्रतिमा निर्माण विशेषज्ञ

द्वारा

सम्पूर्ण भारतवर्ष के सभी जिलों के प्राचीन एवं विलुप्त हो चुके मंदिरों के पुनर्निर्माण एवं पुनरुत्थान हेतु संकल्प यात्रा का आह्वान:

संकल्प पत्र

- प्राचीन मंदिरों के पुनर्निर्माण एवं हमारी प्राचीन सांस्कृतिक विधाओ एवं कलाओं की शिक्षा एवं दीक्षा की व्यवस्था करने हेतु
- मंदिरों की रसोई द्वारा निर्मित प्रसाद एवं भोजन को शारीरिक रूप से अक्षम एव निर्धन परिवारों में बाँटना
- मंदिरों में जल सरक्षण एवं साफ-सफाई की सुचारु व्यवस्था की स्थापना करने जैसे कई और भी मुख्य बिंदु रहेगे
- नवीन कृषक पीढ़ी को मन्त्रों के द्वारा बुवाई शुरु करने के लिये प्रोत्साहित करना एवं वैदिक मंत्रों का अध्ययन करवाना।
- ग्रामीण क्षेत्र में दाह संस्कार हेतु आवश्यक भूमि की एवं वैदिक नियमानुसार अंतिम संस्कार की व्यवस्था करना
- योग एवं आसन का नि:शुल्क प्रशिक्षण
- शस्त्र कला का प्रशिक्षण
- वेद एवं शास्त्रों का अध्ययन
- नृत्य एवं संगीत कला का प्रशिक्षण
- चित्रकारी एवं मूर्तिकला का प्रशिक्षण
- भारतीय शाकाहारी भोजन एवं व्यंजन बनाने का प्रशिक्षण
- आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र की स्थापना
- गौशाला की स्थापना
- पुस्तकालय की स्थापना

हिन्दू मंदिर उत्थान एवं पुनर्निर्माण दूत

संकल्प यात्रा से जुड़ने के लिए सम्पर्क करें:
+91-9829021309

MAITREYA ORGANIZATION

HINDU TEMPLE RESTORATION AND DEVELOPMENT FOUNDATION

templearchitecture.com | +919829021309 | dr.himanij@gmail.com



मुख्य मंत्री
राजस्थान

सत्यमेव जयते

संदेश

मुझे प्रसन्नता है कि *"प्रतिमा निर्माण विधान"* विषयक यह शोधपरक ग्रंथ प्रकाशन की ओर अग्रसर है। यह ग्रंथ न केवल भारतीय स्थापत्य की प्राचीन परंपराओं और वेदसम्मत देवालय निर्माण के सिद्धांतों को उजागर करता है, अपितु वर्तमान पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का एक सेतु भी है।

भारतीय ज्ञान परंपरा, विशेष रूप से वेद एवं वेदांगों में स्थापत्य शास्त्र को जो मान्यता प्राप्त है, वह अत्यंत अद्वितीय है। हमारे प्राचीन ऋषियों ने केवल पूजा-पाठ ही नहीं, बल्कि देवालयों के निर्माण में भी गूढ़ आध्यात्मिक, खगोलीय, भूगर्भीय और मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों को समाहित किया।

इस ग्रंथ में वर्णित सिद्धांत वैदिक स्थापत्य की उस परंपरा को पुनः प्रतिष्ठित करने का कार्य करेंगे। इसकी भाषा, शोध, तर्क और प्रस्तुति अत्यंत प्रशंसनीय है, जिससे जिज्ञासु पाठकों को वैदिक स्थापत्य की जटिलताओं को समझने में सरलता होगी। मैं इसके सफल प्रकाशन एवं व्यापक प्रभाव के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूं।

(भजन लाल शर्मा)

dr.himanij@gmail.com
+919829021309
templearchitecture_
himanivedicdevsthapati
www.templearchitecture.com

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री"

ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति

मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ



मंजू शर्मा

संसद सदस्य (लोक सभा)

जयपुर

सदस्य • कार्मिक, लोकशिकायत तथा पेंशन,
• विधि और न्याय संबंधी स्थायी समिति
• परामर्शदात्री समिति, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

सत्यमेव जयते

107, यूनिक सांधी अपार्टमेन्ट
महावीर नगर, जयपुर
राजस्थान - 302018
मो० : 9829394789

क्रमांक 13061 / सांसद / लो.सभा / जयपुर / 2025 दिनांक:– 09 / 04 / 2025

–: शुभकामना संदेश :–

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई है कि **आचार्या हिमानी शास्त्री** ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापित मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ एवं अध्यक्ष, मैत्रेय संस्थान, राष्ट्रीय अध्यक्ष, हिन्दू मन्दिर उत्थान एवं पुनर्निर्माण ट्रस्ट द्वारा **मंदिर एवं देव संस्थापत्य के मूल सिद्धांत की प्रमुख शैलियां स्मारिका का प्रकाशन** किया जा रहा है। इस पुस्तक द्वारा हमारी आगामी पीढ़ी को यह ज्ञान और जानकारी प्राप्त होगी कि सनातन धर्म कितना सबल एवं प्राचीन है, साथ ही हमारे समाज की आधार शिला हमारे मंदिरों के निर्माण की सही विधि क्या है और देवी देवताओं की प्रतिमा का निर्माण करते वक्त किन शास्त्रोक्त नियमो का ध्यान रखना चाहिए।

मैं **आचार्या हिमानी शास्त्री जी** का आभार व्यक्त करते हुए **मंदिर एवं देव संस्थापत्य के मूल सिद्धांत की प्रमुख शैलियां** के सफलता की कामना करती हूँ।

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाओं सहित।

(मंजू शर्मा)

101-103, साऊथ ऐवन्यू, नई दिल्ली -110011
ई-मेल : manjusharmabjp@gmail.com

000964

dr.himanij@gmail.com

+919829021309

templearchitecture_

himanivedicdevsthapati

www.templearchitecture.com

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री"

ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति

मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ



स्वामी बालमुकुन्दाचार्य महाराज
(हाथोज धाम)
विधायक, हवामहल विधानसभा क्षेत्र, जयपुर

सत्यमेव जयते

ब्राह्मणों का मोहल्ला, संस्कृत शाला के पास
हाथोज, झोटवाड़ा, जयपुर-302012 (राज.)
मो. नं.: +91-9664243549

क्रमांक 2512/25 दिनांक 10/04/25

—::शुभकामना संदेश::—

मंदिर एवं देव स्थापत्य के मूल सिद्धांत "प्रमुख शैलियां" नामक पुस्तिका मुझे प्राप्त हुई। पुस्तिका में लेखिका आचार्या हिमानी शास्त्री के भारतीय संस्कृति के आधार स्तंभ विभिन्न मंदिरों एवं देव प्रतिको को आधार बनाकर सूक्ष्मतम निष्पक्ष रूप से सांस्कृतिक स्थापत्य कला को समुन्नत रूप से अपनी लेखनी के माध्यम से सर्व व्यापकता से परिपूर्ण विषयक समायोजन इस कृति में अध्ययन उपरांत दृष्टिगत हुआ जो कि किसी भी लेखक की विशेष प्रतिभा व विषय के प्रति समर्पण व कर्मठता को परिलक्षित करता है।

सांस्कृतिक रूप से मंदिर की नागर शैली, द्रविड़ शैली एवं वेसर शैली के साथ-साथ स्थानीय एवं क्षेत्रीय शैलियों को भी पुस्तक में व्यापक रूप से उजागर किया गया है। मंदिर स्थापत्य कला में प्रत्येक शैली की अपनी एक पृथक विशेषता होती है जो पुस्तक के विभिन्न अध्यायों में मुखरित हुई है।

यह पुस्तक निश्चित रूप से भारतीय संस्कृति को जीवंत बनाए रखने के लिए भावी पीढ़ी की संदेश वाहक पथगामिनी के रूप में दिशा प्रदान करने में अग्रणी रहेगी। यह पुस्तक स्थापत्य कला के साथ-साथ विभिन्न शैलियों, भारत की संस्कृति एवं धार्मिक रीति-रिवाजों, संस्कारों एवं शास्त्रों के अनुरूप निर्मित किए गए देवग्रह के विविध आयामों को परिलक्षित करने की अनुपम धरोहर के रूप में ज्ञानात्मक ज्योति का काम करेगी। इस पुस्तक द्वारा हमारी आगामी पीढ़ी को सनातन धर्म एवं संस्कृति की संबलन एवं प्राचीनता का भान रहेगा। यह हमारे समाज की आधार शिला मंदिरों के निर्माण की व्यापक एवं विविध विधियो को उजागर करते हुए देवी देवताओं की प्रतिमा का निर्माण करते वक्त उपयोगी शास्त्रोक्त नियमो पर भी ध्यानाकर्षण किया है।

इस कृति के लिए मैं आचार्य हिमानी शास्त्री को शुभ आशीष देते हुए जीवन में इसी प्रकार से अपनी लेखनी को जीवंत रखेगी के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं।

सदभावी

(स्वामी बालमुकुन्दाचार्य महाराज)

dr.himanij@gmail.com +919829021309

templearchitecture_ himanivedicdevsthapati

www.templearchitecture.com

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री"

ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति

मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ,

अध्यक्ष: मैत्रेय संस्थान

राष्ट्रीय अध्यक्ष: हिन्दू मन्दिर उत्थान एवं पुनर्निर्माण ट्रस्ट

प्रणेता: प्राचीन मंदिर उत्थान एवं पुनर्निर्माण संकल्प यात्रा (विश्वव्यापी यात्रा)

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री" का जन्म जयपुर के एक ऐसे परिवार में हुआ है, जहां वह पीढ़ियों से आध्यात्मिक अभ्यास और आध्यात्मिक अनुषासन का अभ्यास किया जाता रहा है। आमतौर पर, लोग अपनी तीसरी आंख जागृत करने के लिए संघर्ष करते हैं, लेकिन यह उन्हें ईश्वर की कृपा से सहज ही मिल गया। हिमानी के पिता और माँ दोनों ही ज्योतिष विद्या में पारंगत हैं |

इनकी शिक्षा जयपुर के ही विद्यालय और यूनिवर्सिटी में हुई इसके बाद इन्होने बनारस यूनिवर्सिटी से शास्त्री और आचार्य की डिग्री प्राप्त की | हिमानी प्रारंभ से ही सामाजिक कार्यो से जुडी थी क्योंकि यह उन्हें पारिवारिक संस्कारों की धरोहर के रूप में मिला था| इनकी माता जी एक सम्मानित लेखिका और अध्यापक थी उन्ही की प्रेरणा से यह समाज सेवा के कार्यो में अनवरत लगी रहीं|

एक धार्मिक परिवार में जन्म लेने की वजह से पूजा पाठ और सभी प्रकार की धार्मिक गतिविधियाँ हिमानी के जीवन का प्रमुख हिस्सा थीं, इसके चलते धार्मिक यात्राये भी काफी होती थीं| २००९ में एक बार परिवार के साथ जयपुर स्थित एक शिव मंदिर में दर्शन के लिए गईं, यह मंदिर शहर का प्राचीन मंदिर है और यंहा रोज हजारो की तादाद में भक्त जिस समय हिमानी वंहा दर्शन कर रहीं थी उस समय एक बुजुर्ग दम्पति उस चिकने और उबड खाबड़ फर्श पर बुरी तरह से गिरे जिससे उन दोनों को काफी चोटें आईं| बाद में पता चला की महिला के सिर के खून का रिसाव हो गया था जिससे उस महिला की मृत्यु हो गई| इस दुर्घटना ने हिमानी को भवनात्मक रूप से आहत कर दिया| उस दिन से हिमानी ने संकल्प लिया की वो मंदिरों के निर्माण की उचित विधियों पर रिसर्च

dr.himanij@gmail.com +919829021309

templearchitecture_ himanivedicdevsthapati

www.templearchitecture.com

करेंगी और इन मंदिरों में निर्माण में आ रही त्रुटियों को दूर करने का हर संभव प्रयास करेंगीं| इसके बाद उन्होंने मंदिरों के निर्माण के शास्त्रोक्त अध्ययन को प्रारम्भ किया| जिसके चलते उन्होंने मंदिरों के निर्माण एवं देवताओ की प्रतिमा निर्माण विधि एव प्रमाण पर कई रिसर्च की और उनकी प्रथम “वैदिक देव स्थापत्य के मूल सिद्धांत” पुस्तक देश के जाने माने पब्लिशिंग हाउस ने छापी, उनकी दूसरी पुस्तक “मन्दिर एवं देव स्थापत्य के मूल सिद्धांत” भी छपने के लिए तैयार है| हिमानी यंही नही रुकी उन्होंने सके बाद १२ पुस्तकों का ऐसा संकलन तैयार किया जो मंदिर निर्माण और देवताओ की प्रतिमाओ के निर्माण के विधान को सही तरीके से स्पस्ट करती हैं| जिससे आगामी पीढ़ी सही विधान के साथ मंदिरों का निर्माण कर सकें और प्रतिमा निर्माण में होने वाली गलतियाँ न दोहराएँ|

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री" की देख रेख में विश्व भर में कई मंदिरों का निर्माण कार्य चल रहा है लेकिन उनका सबसे ज्यादा प्रसिद्ध मंदिर इस समय देहरादून में बन रहा है जिसके पीछे भी एक दिलचस्प किस्सा है| हुआ कुछ यूँ की हिमानी के मंदिरों के ज्ञान की प्रसिद्धी सुन कर एक सज्जन उनक पास आये और बोले की मै एक व्यापारी हूँ और मुझे भगवान् या देवताओ में विश्वास नहीं है| व्यापारी ने कहा की एक बड़ी जमीन पर एक कॉलोनी बना रहा जो बहुत महंगी होगी और वंहा एक मंदिर की आवश्यकता महसूस हो रही है लेकिन मैं यह नहीं चाहता की वो मंदिर किसी विशेष देवता या भगवान् का हो| व्यापारी ने हिमानी से पूछा की क्या आप ऐसा मंदिर बना सकती हैं? इस सवाल पर हिमानी ने मुस्कुरा कर जवाब दिया की हाँ, मैं वंहा प्रकृति के प्रमुख उन तीन तत्वों का मंदिर वंहा बना सकती हूँ जिनसे इस पृथ्वी का निर्माण हुआ और प्रत्येक प्राणी का निर्माण हुआ| इस मंदिर का निर्माण २०२५ के अंत तक पूरा हो जायेगा|

हिमानी अपने अध्ययन और पुस्तक लेखन कार्य को भी निरंतर जारी रखे हुए है| उन्हें उर्जाओ का ज्ञान भी है, जिसकी मदद से वह आसानी से पता लगा सकती है कि आपके घर, कार्यालय और भवन में सकारात्मक परिणाम लाने के लिए क्या आवश्यक हैं|

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री"

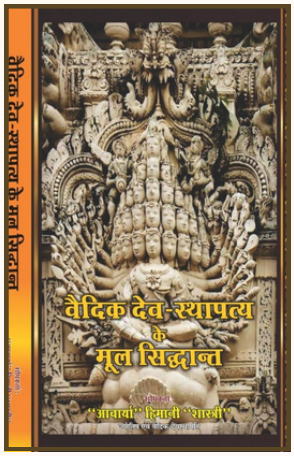
ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति

मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ

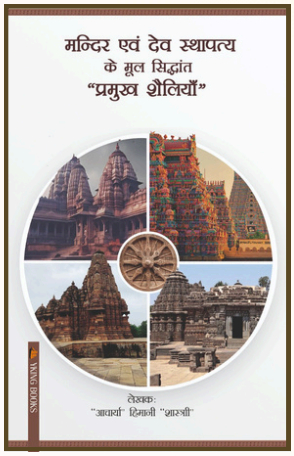
"आचार्या" हिमानी "शास्त्री" द्वारा लिखी गई पुस्तकें



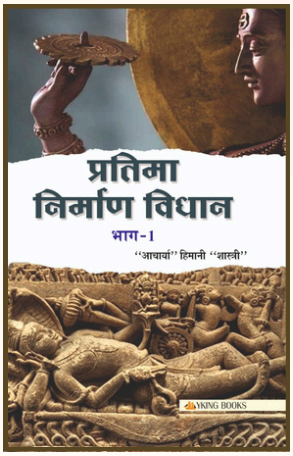
हिंदू प्रतिमा विज्ञान के सिद्धांत एवं तत्व



वैदिक देव स्थापत्य के मूल सिद्धांत



मन्दिर एवं देव स्थापत्य के मूल सिद्धांत "प्रमुख शैलियाँ"



aप्रतिमा निर्माण विधान भाग-1

HINDU TEMPLE RESTORATION AND DEVELOPMENT FOUNDATION

हिन्दू मंदिर उत्थान एवं पुनर्निर्माण ट्रस्ट की राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं|

ISADS

इंटरनेशनल स्कूल ऑफ एस्ट्रोलॉजी एंड डिवाइन साइंसेज

वर्तमान में "आचार्या" हिमानी "शास्त्री" इंटरनेशनल स्कूल ऑफ एस्ट्रोलॉजी एंड डिवाइन साइंसेज से जुड़ी हुई हैं। संस्थान में हिमानी डायरेक्टर के पद पर हैं और 2007 से संस्थान ज्योतिष शास्त्र, रमल शास्त्र, वास्तु शास्त्र एवं टैरो कार्ड रीडिंग जैसे विषयों की शिक्षा एवं प्रशिक्षण देती है।

MAITREYA ORGANIZATION

मैत्रेय संस्थान

मैत्रेय संस्थान एक गैर सरकारी संगठन है जिसमें "आचार्या" हिमानी "शास्त्री" अध्यक्ष पद पर हैं। यह एनजीओ स्लम इलाकों में रहने वाले बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करता है। शिक्षा के अलावा, यह स्कूल की वर्दी, स्टेशनरी आइटम, मुफ्त भोजन, मुफ्त किताबें आदि भी प्रदान करता है, बच्चों के लिए। इसमें वह सब कुछ लागू होता है जो बच्चों को अपनी पढ़ाई में बेहतर ध्यान केंद्रित करने के लिए आवश्यक है।

dr.himanij@gmail.com

+919829021309

templearchitecture_

himanivedicdevsthapati

www.templearchitecture.com

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री"
ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति
मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ

उपलब्धियां

dr.himanij@gmail.com
+919829021309
templearchitecture_
himanivedicdevsthapati
www.templearchitecture.com

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री"

ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति

मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ



श्री ओम बिरला
लोकसभा अध्यक्ष

भारत की मंदिर स्थापत्य परंपरा को समर्पित पुस्तक का लोकार्पण



जयपुर, समाचार जगत न्यूज. भारत की प्राचीन वास्तुकला, वैदिक परंपरा और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में वैदिक देवस्थापति एवं मंदिर स्थापत्य विशेषज्ञ आचार्या हिमानी शास्त्री द्वारा रचित पुस्तक मंदिर एवं देव स्थापत्य के मूल सिद्धांत – प्रमुख शैलियों एवं प्रतिमा निर्माण विधान का लोकार्पण एवं लोकोर्पण के तहत लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को भेंट किया गया। यह पुस्तक भारत की मंदिर स्थापत्य परंपरा पर आधारित एक विस्तृत शोध ग्रंथ है, जिसमें नागर, द्रविड़ और बेसर के अतिरिक्त विभिन्न प्रादेशिक मंदिर शैलियों का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। पुस्तक में यह प्रतिपादित किया गया है कि भारत के विभिन्न प्रांतों की लोक संस्कृति, इतिहास और सभ्यता के अनुरूप मंदिर निर्माण की पद्धतियाँ भी विशिष्ट रहीं हैं, जिन्हें अब तक मुख्यधारा के शोध में अपेक्षित स्थान नहीं मिल पाया था। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने पुस्तक की प्रशंसा करते हुए कहा कि "मंदिर स्थापत्य पर हिंदी में प्रामाणिक साहित्य की अत्यंत आवश्यकता है। यह ग्रंथ निश्चित रूप से शोधार्थियों, आचार्यों और वास्तुकारों के लिए एक मूल्यवान संदर्भ सिद्ध होगा। मैं स्वयं इस विषय की महत्ता को लोकसभा में रखने का प्रयास करूंगा। पुस्तक में प्रतिमा निर्माण विधान, मंदिरों की ऊर्जा संरचना, वेदों एवं अगम शास्त्रों के अनुसार

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

भारत की मंदिर स्थापत्य परंपरा को समर्पित एक उल्लेखनीय पुस्तक का लोकार्पण

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को भेंट की गई आचार्या हिमानी शास्त्री की नवीन कृति

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस



जयपुर। भारत की प्राचीन वास्तुकला, वैदिक परंपरा और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में वैदिक देवस्थापति एवं मंदिर स्थापत्य विशेषज्ञ आचार्या हिमानी

आचार्य हिमानी शास्त्री ने बिरला को भेंट की नई कृति



जयपुर, 27 जुलाई (ब्यूरो): वैदिक देवस्थापति एवं मंदिर स्थापत्य विशेषज्ञ आचार्या हिमानी शास्त्री द्वारा रचित पुस्तक 'मंदिर एवं देव स्थापत्य के मूल सिद्धांत-प्रमुख शैलियां एवं प्रतिमा निर्माण विधान' का लोकार्पण एवं लोकोर्पण के तहत लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को पुस्तक भेंट की गई।

यह पुस्तक भारत की मंदिर स्थापत्य परंपरा पर आधारित एक विस्तृत शोध ग्रंथ है, जिसमें नागर, द्रविड़ और बेसर के अतिरिक्त विभिन्न प्रादेशिक मंदिर शैलियों का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। इस मौके पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने पुस्तक की प्रशंसा करते हुए कहा कि मंदिर स्थापत्य पर हिंदी में प्रामाणिक साहित्य की अत्यंत आवश्यकता है।

लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिड़ला जी को भेंट करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने सराहना करते हुए कहा कि मन्दिर स्थापत्य पर हिंदी साहित्य की बेहद आवश्यकता है और यह मुद्दा वो लोकसभा में सबके सामने रखने का प्रयास करेंगें।

भारत की मंदिर स्थापत्य परंपरा को समर्पित पुस्तक का लोकार्पण

ओम बिड़ला को आचार्या हिमानी शास्त्री की नवीन कृति भेंट

महानगर संवाददाता

जयपुर। वैदिक देवस्थापति एवं मंदिर स्थापत्य विशेषज्ञ आचार्या हिमानी शास्त्री द्वारा रचित पुस्तक 'मंदिर एवं देव स्थापत्य के मूल सिद्धांत-प्रमुख शैलियां एवं प्रतिमा निर्माण विधान' का लोकार्पण किया गया। इस दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को पुस्तक की नवीन कृति भेंट की गई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने कहा कि मंदिर स्थापत्य पर हिंदी में प्रामाणिक साहित्य की अत्यंत आवश्यकता है। यह ग्रंथ निश्चित रूप से शोधार्थियों, आचार्यों और वास्तुकारों के लिए एक मूल्यवान संदर्भ सिद्ध होगा। मैं स्वयं इस विषय की महत्ता को लोकसभा में रखने का प्रयास करूंगा। पुस्तक में प्रतिमा निर्माण विधान, मंदिरों की ऊर्जा संरचना, वेदों एवं अगम शास्त्रों के अनुसार मंदिर निर्माण के मूल सिद्धांतों को सरल और गहन शैली में प्रस्तुत किया गया है। आचार्या हिमानी शास्त्री ज्योतिषाचार्य, वैदिक वास्तुविद् और हिंदू मंदिर उत्थान एवं पुनर्निर्माण ट्रस्ट की राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। वे मैत्रेय संस्थान की अध्यक्ष भी हैं तथा प्राचीन मंदिर उत्थान एवं पुनर्निर्माण संकल्प यात्रा जैसी वैश्विक पहल का नेतृत्व कर रही हैं।



मंदिर स्थापत्य परंपरा पर आधारित ग्रंथ भेंट



जयपुर @ पत्रिका. आचार्या हिमानी शास्त्री ने नई दिल्ली में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पुस्तक 'मंदिर और देव स्थापत्य के मूल सिद्धांत - प्रमुख शैलियां एवं प्रतिमा निर्माण विधान' की प्रति भेंट की। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष को बताया कि यह पुस्तक भारत की

dr.himanij@gmail.com

+919829021309

templearchitecture_ himanivedicdevsthapati

www.templearchitecture.com

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री"

ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति

मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ



“आचार्या” हिमानी “शास्त्री” को राजस्थान के राज्यपाल माननीय श्री हरिभाऊ किसनराव बागडे द्वारा सम्मानित किया गया।

माननीय श्री हरिभाऊ किसनराव बागडे
राज्यपाल, राजस्थान



भारतीय संस्कृति और प्राचीन धरोहरों के संरक्षण में "आचार्या" हिमानी "शास्त्री" का योगदान वास्तव में प्रशंसनीय है। उनकी पुस्तक ‘मंदिर एवं देव स्थापत्य के मूल सिद्धांत : प्रमुख शैलियाँ’ प्राचीन मंदिरों के विकास, पुनर्निर्माण और संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण मार्गदर्शक सिद्ध होगी। यह पुस्तक न केवल शोधार्थियों और वास्तु विशेषज्ञों के लिए बहुमूल्य है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को हमारी समृद्ध परंपराओं और स्थापत्य कला से जोड़ने का अद्वितीय प्रयास भी है। इस उत्कृष्ट रचना के लिए मैं "आचार्या" हिमानी "शास्त्री" को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

dr.himanij@gmail.com
+919829021309
templearchitecture_
himanivedicdevsthapati
www.templearchitecture.com

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री"

ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति

मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ

माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा जी



हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

चार्या हिमानी शास्त्री की नई पुस्तक मुख्यमंत्री को भें
ी: मंदिर एवं देव स्थापत्य के मूल सिद्धांत प्रमुख शैलिय



आचार्या हिमानी शास्त्री की नई पुस्तक मुख्यमंत्री को भेंट की

मंदिर एवं देव स्थापत्य के मूल सिद्धांत : प्रमुख शैलियाँ



के लिए लिखी पुस्तक, सीएम को भेंट की

"भारतीय मंदिर शिल्प शास्त्र" पर पुस्तक लिखी और राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा जी को भेंट की, ताकि राजस्थान के प्राचीन एवं विरासत मंदिरों के संरक्षण और पुनर्निर्माण में योगदान दिया जा सके।

आचार्या हिमानी शास्त्री द्वारा रचित यह पुस्तक न केवल भारत की प्राचीन मंदिर निर्माण परंपराओं को पुनः जीवंत करती है, बल्कि पुनर्निर्माण एवं संरक्षण के मार्ग में एक अमूल्य ग्रंथ के रूप में कार्य करती है। 'मंदिर एवं देव स्थापत्य के मूल सिद्धांत' विषय पर इतनी शोधपूर्ण, गूढ़ और प्रेरणादायक प्रस्तुति हमारे सांस्कृतिक गौरव को आगे बढ़ाने वाली है। यह पुस्तक वास्तुशास्त्र, इतिहास और संस्कृति से जुड़े विद्वानों, शोधार्थियों एवं जनमानस के लिए एक अनमोल धरोहर सिद्ध होगी। मैं आचार्या हिमानी शास्त्री जी को इस उत्कृष्ट कार्य हेतु हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूँ।

dr.himanij@gmail.com

+919829021309

templearchitecture_

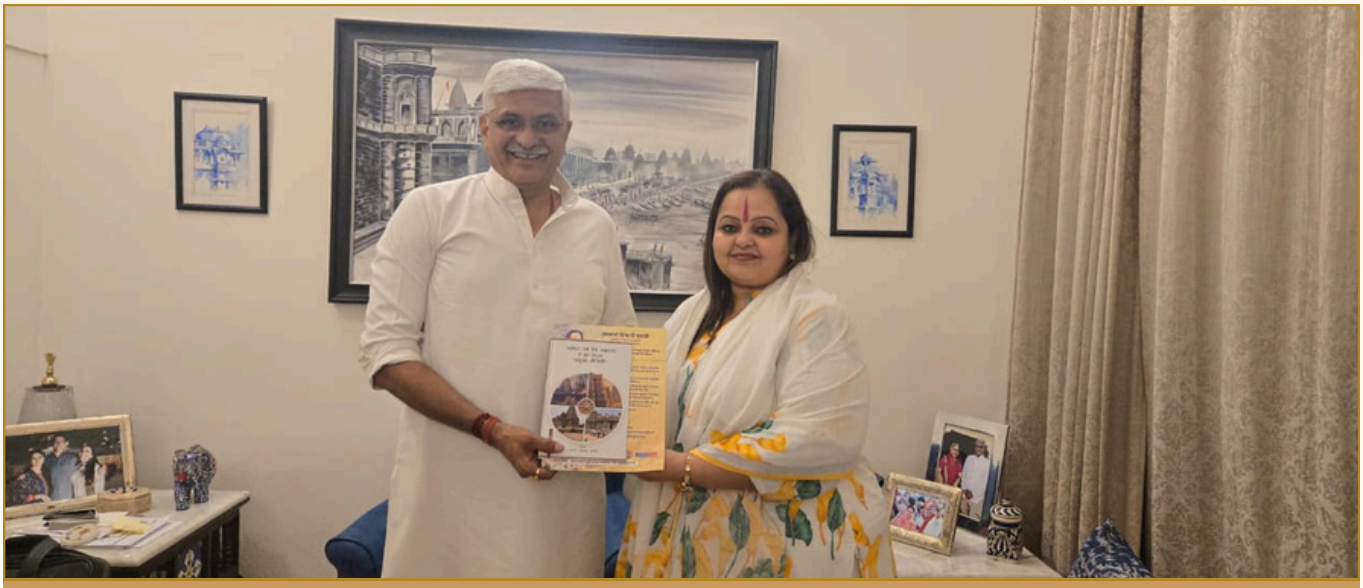
himanivedicdevsthapati

www.templearchitecture.com

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री"

ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति

मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ



श्री गजेंद्र सिंह शेखावत जी

केंद्रीय मंत्री, कला संस्कृति एवं टूरिज्म; श्री गजेंद्र सिंह शेखावत जी को अपनी पुस्तक भेँट करने का सुअवसर प्राप्त हुआ।



श्रीमती मंजू शर्मा जी

जयपुर सांसद और मेरी बड़ी बहन श्रीमती मंजू शर्मा को दिल्ली स्थित उनके कार्यालय में मुझे अपनी लिखी पुस्तक भेंट करने का सुअवसर प्राप्त हुआ।

dr.himanij@gmail.com

+919829021309

templearchitecture_

himanivedicdevsthapati

www.templearchitecture.com

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री"

ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति

मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ



डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल
भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री, राज्यसभा सांसद एवं राजस्थान प्रदेश प्रभारी

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री" द्वारा रचित पुस्तक 'मंदिर एवं देव स्थापत्य के मूल सिद्धांत : प्रमुख शैलियाँ' भारतीय संस्कृति और प्राचीन वैदिक परंपराओं के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण योगदान है। यह ग्रंथ न केवल स्थापत्य कला के विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के लिए उपयोगी है, बल्कि प्राचीन मंदिरों के पुनर्निर्माण और संरक्षण कार्यों के लिए भी मार्गदर्शक सिद्ध होगा। इस अद्वितीय प्रयास के लिए मैं "आचार्या" हिमानी "शास्त्री" को हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई प्रदान करता हूँ।

- श्री मदन राठौड़

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री" द्वारा रचित यह पुस्तक 'प्राचीन मंदिरों के विकास, पुनर्निर्माण और संरक्षण' भारतीय संस्कृति, परंपरा और वास्तुशिल्प की अमूल्य धरोहर को संरक्षित करने की दिशा में एक अद्वितीय योगदान है। यह पुस्तक न केवल प्राचीन मंदिरों की स्थापत्य कला और वैदिक परंपराओं के महत्व को उजागर करती है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को हमारी गौरवशाली विरासत के संरक्षण हेतु प्रेरित भी करती है। "आचार्या" हिमानी "शास्त्री" का यह प्रयास हमारी सांस्कृतिक पहचान को सुदृढ़ करने और आध्यात्मिक धरोहरों के संरक्षण के लिए सराहनीय है। मैं उनके इस उत्कृष्ट कार्य की हार्दिक प्रशंसा करता हूँ और उन्हें शुभकामनाएँ देता हूँ।

- डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल



श्री मदन राठौड़
भारतीय जनता पार्टी के राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष

dr.himanij@gmail.com
+919829021309
templearchitecture_
himanivedicdevsthapati
www.templearchitecture.com

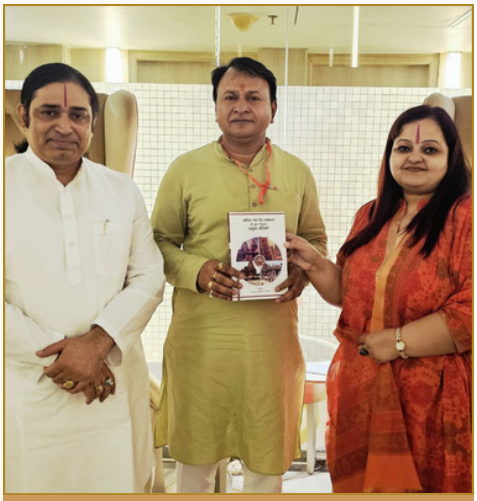
"आचार्या" हिमानी "शास्त्री"

ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति

मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ



“आचार्या” हिमानी “शास्त्री” को मंदिरों के पुनरुद्धार के प्रयासों में उनकी निष्ठा के लिए राजस्थान की उपमुख्यमंत्री श्रीमती दिया कुमारी द्वारा सम्मानित किया गया।



— अमित गोयल
जिला अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी, जयपुर

भारतीय संस्कृति और प्राचीन विरासत के संरक्षण में "आचार्या" हिमानी "शास्त्री" का योगदान अत्यंत सराहनीय है। उनकी पुस्तक ‘मंदिर एवं देव स्थापत्य के मूल सिद्धांत : प्रमुख शैलियाँ’ प्राचीन मंदिरों के विकास, पुनर्निर्माण और संरक्षण की दिशा में एक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करेगी। यह पुस्तक न केवल शोधार्थियों और वास्तु विशेषज्ञों के लिए उपयोगी है, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों को हमारी महान परंपराओं और स्थापत्य कला से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। मैं "आचार्या" हिमानी "शास्त्री" को इस अद्भुत कृति के लिए हृदय से बधाई और शुभकामनाएँ देता हूँ।

दैनिक भास्कर जयपुर 09-10-2024

सम्मान समारोह; आचार्या हिमानी शास्त्री को मिला राजस्थान रेडियन्स अवॉर्ड



जयपुर | सीतापुरा में आयोजित एक होटल में राजस्थान के चुनिंदा और बेहतरीन कार्य करने के लिए सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आचार्या हिमानी शास्त्री को मंदिर निर्माण की विधियों पर रिसर्च और पुस्तक लिखने के लिए राजस्थान रेडियन्स अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। आचार्या हिमानी शास्त्री ने मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की शास्त्रोक्त विधियों पर गहन शोध करके कई पुस्तकें लिखी हैं।

dr.himanij@gmail.com
+919829021309
templearchitecture_
himanivedicdevsthapati
www.templearchitecture.com

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री"

ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति

मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ

दैनिक भास्कर जयपुर 11-12-2024

इम्पैक्ट फीचर

अस्तित्व खो चुके और नष्ट हो चुके मंदिरो के पुनरुत्थान के लिये अनवरत प्रयासरत हैं : आचार्या हिमानी शास्त्री

दैनिक भास्कर City ICON

- देश भर के प्राचीन और नष्ट हो चुके ऐतिहासिक मंदिरों के जीर्णोद्धार में अनवरत प्रवासरत हैं।
- दर्जनों अवॉर्ड से सम्मानित हुईं और मंदिरों के निमार्ण की सही विधि को लाई सामने।



बेटी "पीताम्बरा" (एंजेलिना जौली) भी अब ज्योतिष शास्त्र और मंदिर स्थापत्य के कार्य मे अपनी मॉ की परछाई बन कर आगे बढ रही है।

templearchitecture.com | +919829021309

आध्यात्मिक माहौल के बीच ही जन्म हुआ तो विरासत में आध्यात्म मिला, लेकिन इसको अपनाना और पढ़ाना बहुत जरूरी था। गहन पढ़ाई और समझ के साथ बचपन से ही रोजाना घंटों अध्ययन किया। आज नेशनल लेवल पर पहचान बना पाईं। ये हैं आचार्या हिमानी शास्त्री, जिनका जन्म जयपुर के एक ऐसे परिवार में हुआ है, जहां वह पीढ़ियों से आध्यात्मिक अभ्यास और आध्यात्मिक अनुशासन का अभ्यास किया जाता रहा है। हिमानी के पिता और मां दोनों ही ज्योतिष विद्या में पारंगत हैं। इनकी स्कूली और कॉलेज शिक्षा जयपुर में हुई और बाद में सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी से शास्त्री और आचार्य की डिग्री प्राप्त की।

शुरू से सामाजिक कार्यों से जुड़ाव

हिमानी प्रारंभ से सामाजिक कार्यों से जुड़ी थीं, क्योंकि यह उन्हें पारिवारिक संस्कारों की धरोहर के रूप में मिला है। इनकी माता एक जानी मानी लेखिका हैं एवं इनके पिताजी भी प्रसिद्ध ज्योतिषी हैं, उन्ही की प्रेरणा से समाज सेवा के कार्यों में अनवरत लगी रहीं। एक धार्मिक परिवार में जन्म लेने की वजह से पूजा-पाठ और सभी प्रकार की धार्मिक गतिविधियां जीवन का प्रमुख हिस्सा हैं।

हादसे ने कराई मंदिरों निर्माण की उचित विधियों पर रिसर्च

धार्मिक यात्राएं बहुत की और इस दौरान लोगों को आध्यात्म से जोड़ा। २००९ में एक बार परिवार के साथ जयपुर के शिव मंदिर में दर्शन के लिए गईं। काफी मान्यता होने के बावजूद यंहा पूरा फर्श खराब स्थिति में था और क्योंकि भक्त शिवलिंग पर दूध-जल चढ़ाते हैं, जिसकी वजह से फर्श चिकना हो चुका था। हिमानी यंहा दर्शन कर रहीं थीं तो युवुर्त दम्पति उस चिकने और खराब फर्श पर गिरे पड़े और चोट आने से महिला की मृत्यु हो गई। इस दुर्घटना ने हिमानी को भवनात्मक रूप से आहत किया। उस दिन हिमानी ने संकल्प लिया कि वे मंदिरों के निर्माण की उचित विधियों पर रिसर्च करेंगी और इन मंदिरों में निर्माण में आ रही त्रुटियों को दूर करने का प्रयास करेंगी। इसके बाद उन्होंने मंदिरों के निर्माण के शास्त्रोक्त अध्ययन प्रारम्भ किया। जिसके चलते मंदिरों के निर्माण व देवताओं की प्रतिमा निर्माण विधि व प्रमाण पर रिसर्च की और उनकी प्रथम "वैदिक देव स्थापत्य के मूल सिद्धांत" पुस्तक देश के जाने-माने पब्लिशिंग हाउस ने छापी। दूसरी पुस्तक "मन्दिर व देव स्थापत्य के मूल सिद्धांत" छपने के लिए तैयार है। हिमानी यंही नहीं रुकी और उन्होंने इसके बाद १२ पुस्तकों का संकलन तैयार किया जो मंदिर निर्माण और देवताओं की प्रतिमाओं के निर्माण के विधान को सही तरीके से समझाती है।

देश के मंदिरों की देखरेख

हिमानी शास्त्री की देखरेख में विश्व भर में कई मंदिरों का निर्माण कार्य चल रहा है, जिसमें सबसे प्रसिद्ध मंदिर इस समय देहरादून में बन रहा है जिसके पीछे दिलचस्प किस्सा है। हिमानी के मंदिरों के ज्ञान की प्रसिद्धी सुनकर एक सज्जन उनके पास आकर बोले कि मैं एक व्यापारी हूं और मुझे भगवान या देवताओं में विश्वास नहीं है। व्यापारी ने कहा कि एक कॉलेज बना रहा हूं, जो महंगी होगी। एसे में यंहा एक मंदिर की आवश्यकता महसूस हो रही है लेकिन मैं यह नहीं चाहता कि मंदिर किसी विरोध देवता या भगवान का हो। व्यापारी ने हिमानी से पूछा कि क्या आप ऐसा मंदिर बना सकती हैं? इस सवाल पर हिमानी ने कहा, कि हां मैं यंहा प्रकृति के प्रमुख उन तीन तत्वों का मंदिर यंहा बना सकती हूं जिनसे पृथ्वी का निर्माण हुआ और हर प्राणी का निर्माण हुआ।

आचार्या हिमानी शास्त्री के दिशा निर्देश में देहरादून में बन रहा है पंच तत्वों का मंदिर और देव महासभा, जंहा व्यक्ति अपनी आध्यात्मिक उन्नति और मानसिक शांति प्राप्त कर सकता है।

पुरस्कार व उपलब्धियों का भंडार



हिमानी को कई बार सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने कई अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत को गौरवान्वित किया है। उनके सभी पुरस्कार और उपलब्धियां केवल इसलिए हैं क्योंकि वह मानवता पर महान से विश्वास करती हैं।

उनको कात्यायनी ज्योतिष संस्थान मुंबई द्वारा ज्योतिष महर्षि पुरस्कार, थर्ड आई रिसर्चुअल रिसर्च फाउंडेशन द्वारा समलम पुरस्कार, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ओरिएंटल हेरिटेज कोलकाता द्वारा भारत भूषण पुरस्कार, प्रो. के.एस. मेमोरियल अवॉर्ड, "के.पी. स्टार एस्ट्रोलॉजिकल" द्वारा प्रतिष्ठित पुरस्कार, 2015 में "श्री" द्वारा "टैरो" में अनुसंधान के लिए सम्मान का पुरस्कार, 2014 में कालजयी इंटरनेशनल पैरा ईवीएम ज्योतिष वास्तु शोध संस्थान नई दिल्ली "देवज्ञ शिरोमणि" के रूप में सम्मानित किया गया है।



विश्व प्रसिद्ध ज्योतिषी एवं रमल शास्त्री है इनके पति आचार्य अनुपम जौली

मंदिर एवं देवता स्थापत्य के मूल सिद्धांत एवं प्रतिमा निर्माण विधि पर इनकी 2 किताबे (हिन्दू प्रतिमा विज्ञान के सिद्धान्त एवं तत्व और वैदिक देव-स्थापत्य के मूल सिद्धान्त) छप चुकी हैं और 3 प्रकाशक अधीन है और इसी क्रम में कुछ और किताबों पर इनका लेखन कार्य अनवरत जारी है

संकल्प पत्र

- प्राचीन मंदिरों के पुनर्निर्माण एवं हमारी प्राचीन सांस्कृतिक विधाओं एवं कलाओं की शिक्षा एवं दीक्षा की व्यवस्था करने हेतु
- मंदिरों की रसोई द्वारा निर्मित प्रसाद एवं भोजन को शारीरिक रूप से अक्षम एवं निर्धन परिवारों में बाँटना
- मंदिरों में जल संरक्षण एवं साफ-सफाई की सुचारु व्यवस्था की स्थापना करने जैसे कई और भी मुख्य बिंदु रहेंगे
- नवीन कृषक पीढ़ी को मन्त्रों के द्वारा बुवाई शुरू करने के लिये प्रोत्साहित करना एवं वैदिक मंत्रों का अध्ययन करवाना।
- पुस्तकालय की स्थापना
- ग्रामीण क्षेत्र में दाह संस्कार हेतु आवश्यक भूमि की एवं वैदिक नियमानुसार अंतिम संस्कार की व्यवस्था करना
- योग एवं आसन का निःशुल्क प्रशिक्षण
- शस्त्र कला का प्रशिक्षण
- वेद एवं शास्त्रों का अध्ययन
- नृत्य एवं संगीत कला का प्रशिक्षण
- चित्रकारी एवं मूर्तिकला का प्रशिक्षण
- भारतीय शाकाहारी भोजन एवं व्यंजन बनाने का प्रशिक्षण
- आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र की स्थापना
- गौशाला की स्थापना

नेशनल-इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म से है जुड़ाव

हिमानी हिन्दू मंदिर उत्थान व पुनर्निर्माण ट्रस्ट की राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं और इंटरनेशनल स्कूल ऑफ एस्ट्रोलॉजी एंड डिवाइन साइंसेज से जुड़ी हैं।

मैत्रेय संस्थान से किया सरोकार

मैत्रेय संगठन एक गैर सरकारी संगठन है, जिसमें आचार्या हिमानी शास्त्री अध्यक्ष हैं। एनजीओ स्लम के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देता है। शिक्षा के अलावा, स्कूल की वर्दी, स्टेशनरी, मुफ्त भोजन, मुफ्त किताबें आदि देता है

वैदिक देवस्थापति व ज्योतिषाचार्य

हिमानी शास्त्री वैदिक देवस्थापति व ज्योतिषाचार्य हैं। वे स्पेशलिस्ट कंसल्टेंट एंड मेन्यूफेक्चर वैदिक एंड मंदिर आर्किटेक्ट हैं। उनकी आर्टवेदा नाम की दुनिया की जानी मानी संस्था है, जो शास्त्रों के नियमों के आधार पर मंदिरों का निर्माण करती है। इसके तहत मंदिर मूर्ति ड्राइंग, मंदिर डोम्स, मंदिर पिलर, टेंपल आर्किटेक्चर ड्राइंग, 2 डी टेंपल ड्राइंग और 3 डी टेंपल ड्राइंग तैयार कर वास्तु सम्मत और वैदिक शास्त्र के नियमानुसार मंदिरों का निर्माण किया जाता है।

भारतीय सेना को पढ़ाया ग्राफोलॉजी

हिमानी को वर्ष 2016 में भारतीय सेना के रक्षा अधिकारियों को ग्राफोलॉजी पढ़ाने का अवसर मिला। ग्राफोलॉजी लिखावट के पैटर्न और विशेषताओं को समझने का अध्ययन है। यह व्यक्ति की मनोवैज्ञानिक स्थिति को जानने में सहायक है। भारतीय इतिहास में पहली बार भारतीय सैन्य अधिकारियों को इस प्रकार का प्रशिक्षण दिया गया। ऐसा उन्हें अपराधियों के मनोविज्ञान को समझने और उनके भविष्य के कार्यों की भविष्यवाणी करने के लिए किया गया था ताकि उन्हें रोका जा सके। हिमानी को समाचार पत्र में 3 वर्षों तक राशि चक्र भविष्यवाणी कॉलम लिखने का अनुभव है। साथ ही दैनिक भास्कर के लिए साप्ताहिक राशि भविष्यवाणी कॉलम में योगदान दिया है। वर्तमान में कई टीवी चैनल पर इनके कार्यक्रम प्रसारित हो रहे है और कई मीडिया हाउस से जुड़ी हुईं हैं। हिमानी शास्त्री ने एक डॉक्यूमेंट्री के निर्माण में योगदान दिया है जो वैदिक ज्योतिष के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए बनाई गई थी। डॉक्यूमेंट्री कोलंबिया यूनिवर्सिटी यूएसए द्वारा तैयार की गई थी।

इस समाचार लेख में **"आचार्या" हिमानी "शास्त्री"** के मंदिरों के पुनरुद्धार और संरक्षण के प्रति किए जा रहे अद्वितीय प्रयासों का उल्लेख किया गया है। लेख में बताया गया है कि वे देशभर में प्राचीन और लुप्त हो चुके ऐतिहासिक मंदिरों को पुनर्जीवित करने के लिए लगातार कार्यरत हैं।

उनका उद्देश्य भारतीय संस्कृति और वास्तुकला की विरासत को पुनः जीवित करना है। इसके अलावा, उन्हें कई पुरस्कारों और सम्मानों से नवाज़ा गया है, और उन्होंने मंदिर निर्माण की प्राचीन विधियों और भारतीय शिल्प शास्त्र पर गहन कार्य किया है।

dr.himanij@gmail.com +919829021309

templearchitecture_ himanivedicdevsthapati

www.templearchitecture.com

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री"
ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति
मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ



दैनिक भास्कर

जयपुर सिटी भास्कर 29-01-2024

City भास्कर

जयपुर • सोमवार, 29 जनवरी 2024

मैजिकल क्यूआर
आज पढ़िए...
अजब-गजब रिकॉर्ड

4

जनमानस के राम • बिड़ला मंदिर में देशभर से आए 25 कलाकारों ने बनाई लाइव पेंटिंग, जवाहर कला केन्द्र में हुई प्रदर्शित

कैनवास पर त्रेतायुग, प्रदर्शनी में दर्शकों ने दिखाया मंदिरों जैसा श्रद्धाभाव

सिटी रिपोर्टर . जयपुर

देशभर के आर्टिस्ट्स ने दो दिन तक बिड़ला मंदिर के प्रांगण में अपने आराध्या राम का चित्रण किया, उसे रविवार को जवाहर कला केंद्र में कला प्रेमियों ने निहारा। यज्ञ फाउंडेशन, मैत्रेय संस्थान और आर्ट फिएस्टा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम 'जनमानस के राम' में बने लाइव पेंटिंग्स को जवाहर कला केंद्र की सुरेख आर्ट गैलरी में प्रदर्शित किया गया। इस दौरान विजिटर्स ने चप्पल उतारकर प्रदर्शनी देखी। जब देवी दुर्गा ने श्रीराम की परीक्षा लेने के लिए उनको अर्पित किए 108 कमल में से एक छुपा दिया तो अनुष्ठान पूरा करने के लिए श्रीराम ने तीर अपनी आंख (जिन्हें कमल भी कहा जाता है) की ओर कर दिया। उनके ऐसा करने से देवी ने प्रसन्न होकर छिपाया हुआ कमल उन्हें दे दिया। रामायण का ये प्रसंग आर्टिस्ट साइकल मत्रा ने ऐक्रेलिक मीडियम से अपनी पेंटिंग 'कमलनयन अर्पण' में दिखाया, जिसे विजिटर्स ने खासा पसंद किया।

कार्यक्रम संरक्षक गोविंद पारीक और आयोजक आचार्या हिमानी शास्त्री ने बताया कि समारोह में देशभर से आए 25 आर्टिस्ट्स को उनकी बेहतरीन कला के लिए प्रमुख शासन सचिव कला एवं संस्कृति गायत्री राठौड़ ने सम्मानित किया और गलता पीठाधीश्वर अवधेशाचार्य ने स्मृति चिन्ह प्रदान किए। प्रदेश के शिक्षा सचिव नवीन जैन व सूचना एवं जनसंपर्क सचिव डॉ. समित शर्मा ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

राम के बचपन से रामायण काल तक के स्वरूप दिखे

आर्ट फिएस्टा के रमाकांत खंडेलवाल, संयोजक गौरव गुर्जर और राजेश सैनी ने बताया कि मुंबई के आर्टिस्ट विजय वर्मा ने राम का ध्यान करते 'राममय हनुमान' को वाइब्रेंट कलरों के माध्यम से अभिव्यक्त किया। पेंटिंग में राम भक्त हनुमान ध्यान में मगन है और संपूर्ण ब्रह्मांड में राम की ध्वनि गूंज रही है।

कलाकारों ने बालक राम से लेकर रामायण काल तक के स्वरूपों को कूंची से अभिव्यक्त किया। इस कड़ी में नीलू कोंवरिया ने बालक राम के विग्रह में अपने आस्था व भाव को दर्शाया। वहीं बिहार स्थित दरभंगा के संतोष साहनी ने कैनवास पर मिथिला व अयोध्या के संबंधों को अभिव्यक्त किया।

इस समाचार लेख में बताया गया है कि जयपुर के बिड़ला मंदिर में देशभर से आए 25 कलाकारों ने त्रेतायुग की झलक दिखाते हुए रामायण कालीन दृश्यों की लाइव पेंटिंग बनाई। इन कलाकृतियों की प्रदर्शनी जवाहर कला केंद्र में आयोजित की गई, जहाँ दर्शकों ने इसे मंदिर जैसा श्रद्धाभाव महसूस किया। प्रदर्शनी में राम के बचपन से लेकर रामायण काल तक के दृश्य प्रदर्शित किए गए, जिनमें भगवान श्रीराम के जीवन के महत्वपूर्ण प्रसंगों को चित्रित किया गया। यह आयोजन कला, संस्कृति और अध्यात्म के समन्वय का सुंदर उदाहरण रहा।

dr.himanij@gmail.com
+919829021309
templearchitecture_
himanivedicdevsthapati
www.templearchitecture.com







देश-दुनिया में आध्यात्म और ज्योतिष का परचम लहरा रही

आचार्या हिमानी शास्त्री

दर्जनों अवॉर्ड से सम्मानित हुईं और मंदिरों के निर्माण की सही विधि को लाई सामने



दैनिक स्वतंत्र संवाद, जयपुर।

आध्यात्मिक माहौल के बीच ही जन्म हुआ तो विरासत में आध्यात्म मिला, लेकिन इसको अपनाना और पढ़ाना बहुत जरूरी था। गहन पढ़ाई और समझ के साथ बचपन से ही रोजाना घंटों अभ्यास किया। आज नेशनल लेवल पर पहचान बना पाई। ये हैं आचार्या हिमानी शास्त्री, जिनका जन्म जयपुर के एक ऐसे परिवार में हुआ है, जहां चार पीढ़ियों से आध्यात्मिक अभ्यास और आध्यात्मिक अनुशासन का अभ्यास किया जाता रहा है।

हिमानी के पिता और मां दोनों ही ज्योतिष विद्या में पारंगत हैं। इनकी स्कूली और कॉलेज शिक्षा जयपुर में हुई और बाद में बनारस यूनिवर्सिटी से शास्त्री और आचार्य की डिग्री प्राप्त की।

शुरू से सामाजिक कार्यों से जुड़ाव

हिमानी प्रारंभ से सामाजिक कार्यों से जुड़ी थीं, क्योंकि यह उन्हें पारिवारिक संस्कारों की धरोहर के रूप में मिला है। इनको मात्र सम्मानित लेखिका और अध्यापक भी, उनकी प्रेरणा से समाज सेवा के कार्यों में अनवरत लगी रहीं।

एक धार्मिक परिवार में जन्म लेने की वजह से पूजा-पाठ और सभी प्रकार की धार्मिक गतिविधियां जीवन का प्रमुख हिस्सा हैं।

छह्दसे ने कराई मंदिरों निर्माण की उचित विधियों पर रिसर्च

धार्मिक यात्राएं बहुत की और इस दौरान लोगों को आध्यात्म से जोड़ा। 2009 में एक बार परिवार के साथ जयपुर के शिव मंदिर में दर्शन के लिए गईं। काफी मान्यता होने के बावजूद वहां पूरा फर्श खराब स्थिति में था और क्योंकि भक्त शिवलिंग पर दूध-जल चढ़ाते हैं, जिसकी वजह से फर्श चिकना हो चुका था।

हिमानी वहां दर्शन कर रहीं थीं तो बुजुर्ग दम्पति उस चिकने और खराब फर्श पर गिरे पड़े और चोट आने से महिला की मृत्यु हो गई। इस दुर्घटना ने हिमानी को भावनात्मक रूप से आहत किया।

उस दिन हिमानी ने संकल्प लिया कि वे मंदिरों के निर्माण को उचित विधियों पर रिसर्च करेंगी और इन मंदिरों में निर्माण में आ रही त्रुटियों को दूर करने का प्रयास करेंगी। इसके बाद उन्होंने मंदिरों के निर्माण के शास्त्रोक्त अध्ययन प्रारम्भ किया। जिसके चलते मंदिरों के निर्माण व देवताओं की प्रतिमा निर्माण विधि व प्रमाण पर रिसर्च की और उनकी प्रथम 'वैदिक देव स्थापत्य के मूल सिद्धांत' पुस्तक देश के जाने-माने पब्लिशिंग हाउस ने छापी।

दूसरी पुस्तक 'मन्दिर व देव स्थापत्य के मूल सिद्धांत' छपने के लिए तैयार है। हिमानी यहीं नहीं रुकी और उन्होंने इसके बाद 12 पुस्तकों का संकलन तैयार किया जो मंदिर निर्माण और देवताओं की प्रतिमाओं के निर्माण के विधान को सही तरीके से समझाती हैं।

देश के मंदिरों की देखरेख

हिमानी शास्त्री की देखरेख में विश्व भर में कई मंदिरों का निर्माण कार्य चल रहा है, जिसमें सबसे प्रसिद्ध मंदिर इस समय देहरादून में बन रहा है जिसके पीछे दिलचस्प किस्सा है।

हिमानी के मंदिरों के ज्ञान की प्रसिद्धी सुनकर एक सज्जन उनके पास आकर बोले कि मैं एक व्यापारी हूं और मुझे भगवान या देवताओं में विश्वास नहीं है। व्यापारी ने कहा कि एक कॉलोनी बना रहा हूं, जो महंगी होगी। उसे में वहां एक मंदिर की आवश्यकता महसूस हो रही है लेकिन मैं यह नहीं चाहता कि मंदिर किसी विशेष देवता या भगवान् का हो। व्यापारी ने हिमानी से पूछा कि क्या आप ऐसा मंदिर बना सकती हैं? इस सवाल पर हिमानी ने कहा, कि हां मैं वहां प्रकृति के प्रमुख उन तीन तत्वों का मंदिर वहां बना सकती हूं जिनसे पृथ्वी का निर्माण हुआ और हर प्राणी का निर्माण हुआ।

नेशनल-इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म से है जुड़ाव

हिमानी हिन्दू मंदिर उत्थान व पुनर्निर्माण ट्रस्ट की राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं और इंटरनेशनल स्कूल ऑफ एस्ट्रोलॉजी एंड हिमाइन सर्वसेज से जुड़ी हैं।

मैत्रेय संस्थान से किया सत्कार

उन्होंने मैत्रेय संस्थान एक गैर सरकारी संगठन बनाया है, जिसमें आचार्या हिमानी शास्त्री अध्यक्ष हैं। एनजीओ स्तर के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देता है। शिक्षा के अलावा, स्कूल की वर्दी, स्टेशनरी, सुपर भोजन, मुफ्त किताबें आदि देता है

वैदिक देवस्थापति व ज्योतिषाचार्य

हिमानी शास्त्री वैदिक देवस्थापति व ज्योतिषाचार्य हैं। ये स्पेशलिस्ट कंसल्टेंट एंड मेन्यूफेक्चर वैदिक एंड मंदिर आर्किटेक्ट हैं। उनकी आर्टवेदा नाम की दुनिया की जानी मानी संस्था है, जो शास्त्रों के नियमों के आधार पर मंदिरों का निर्माण करती है। इसके तहत मंदिर मूर्ति ड्राइंग, मंदिर डोम्स, मंदिर पिलर, टेम्पल आर्किटेक्चर ड्राइंग, 2 डी टेम्पल ड्राइंग और 3 डी टेम्पल ड्राइंग तैयार कर वास्तु सम्मत और वैदिक शास्त्र के नियमानुसार मंदिरों का निर्माण किया जाता है।

22 करोड़ रुपए के गणपति का निर्माण खास

उन्होंने बहुमूल्य रत्नों से निर्मित 22 करोड़ के गणपति का निर्माण, ओम कल्याण रिसोर्ट में उपलब्धी मेडिटेशन केंद्र की स्थापना, देव महासभा का निर्माण आदि कराया है।

लोग अपनी समस्या देव महासभा में बता सकेंगे। देव महासभा में बैठने से ग्रहों की सभी ग्रहों को अनुकूल करवाई मिलेगी। भारतीय ज्योतिष के 7 ग्रहों को आधार मानकर रिसर्च की रचना की है। इस एक अनोखे ज्योतिष और वास्तु की मान्यताओं पर खरा उतरता है।

पुरस्कार व उपलब्धियों का भंडार

हिमानी को कई बार सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने कई अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत को गौरवान्वित किया है। उनके सभी पुरस्कार और उपलब्धियां केवल इसलिए हैं क्योंकि वह मानवता पर गहराई से विश्वास करती हैं।

उनको कान्यापनी ज्योतिष संस्थान मुंबई द्वारा ज्योतिष महर्षि पुरस्कार, थर्ड आई रिसर्चफुलल रिसर्च फाउंडेशन द्वारा समत्वम पुरस्कार, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ओरिएंटल हैरिटेज कोलकाता द्वारा भारत भूषण पुरस्कार, प्रो. के.एस. मेमोरियल अवॉर्ड, "के.पी. स्टार्स एस्ट्रोलॉजिकल" द्वारा प्रतिष्ठित पुरस्कार, 2015 में "श्री" द्वारा "टैरो में अनुसंधान के लिए सम्मान का पुरस्कार, 2014 में कलानगरी इंटरनेशनल पैरा ईयोएम ज्योतिष वास्तु शोध संस्थान नई दिल्ली "देवज्ञ शिरोमणि" के रूप में सम्मानित किया गया है।

सर्वो 2013 में अंतिल इंडिया फेडरेशन ऑफ एस्ट्रोलॉजर्स सोसाइटी नई दिल्ली द्वारा "ज्योतिष श्री" दिया तो 2012 में अखिल भारतीय ज्योतिष संस्था संघ दिल्ली ने "ज्योतिष महर्षि" दिया। 2011 में पयूषर चॉर्ट नई दिल्ली ने "ज्योतिष शिरोमणि" व पयूषर पुरस्कार से सम्मानित किया।

2010 में अखिल भारतीय ज्योतिष संस्था संघ नई दिल्ली द्वारा पुरस्कृत किया गया। "ज्योतिष मार्तंड" व अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान ईयोएम ज्योतिष महा-सम्मेलन के रूप में "ज्योतिष आचार्य" दिया गया। 2009 में गायत्री ज्योतिष ईयोएम पारिवाहन शोध संस्थान अजमेर ने पुरस्कृत किया। उन्हें "ज्योतिष मर्मज्ञ" और अखिल भारतीय ज्योतिष संस्था संघ दिल्ली के रूप में जाना जाता है। 2008 में अखिल भारतीय वेद विज्ञान परिषद मेरठ (यूपी) ने उन्हें पुरस्कृत किया तो "शास्त्री" और अखिल भारतीय ज्योतिष संस्था संघ दिल्ली को "ज्योतिष मणीषी" कहा गया। 2007 में ऑल इंडिया फेडरेशन सोसाइटी ऑफ एस्ट्रोलॉजर्स दिल्ली ने पुरस्कार से सम्मानित किया "ज्योतिष मर्हर्षि"।

भारतीय सेना को पढ़ाया ग्राफोलॉजी

हिमानी को वर्ष 2016 में भारतीय सेना के रक्षा अधिकारियों को ग्राफोलॉजी पढ़ने का अवसर मिला। ग्राफोलॉजी लिखावट के पैटर्न और विशेषताओं को समझने का अध्ययन है। यह व्यक्ति की मनोवैज्ञानिक स्थिति को जानने में सहायक है। भारतीय इतिहास में पहली बार भारतीय सैन्य अधिकारियों को इस प्रकार का प्रशिक्षण दिया गया। ऐसा उन्हें अपराधियों के मनोविज्ञान को समझने और उनके भविष्य के कार्यों को भविष्यवाणी करने के लिए किया गया था ताकि उन्हें रोका जा सके।

हिमानी को राजस्थान पत्रिका में 3 वर्षों तक राशि चक्र भविष्यवाणी कॉलम लिखने का अनुभव है। साथ ही दैनिक भास्कर के लिए साप्ताहिक राशि भविष्यवाणी कॉलम में योगदान दिया है। वर्तमान में (2016) पत्रिका टीवी चैनल के साथ काम कर रही हैं। जी राजस्थान पर सोमवार को लाइव शो में भाग ले रही हैं। 91.1 रेडियो सिटी एफएम के साथ मॉर्निंग शो 2007 से वैदिक ज्योतिष पर चर्चारत है। हिमानी शास्त्री ने एक डॉक्यूमेंट्री के निर्माण में योगदान दिया है जो वैदिक ज्योतिष के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए बनाई गई थी। डॉक्यूमेंट्री कोलंबिया यूनिवर्सिटी यूएसए द्वारा तैयार की गई थी।





स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक ओमप्रीत भार्गव द्वारा एच.बी. जिंदल एफ-76 ऑटोमोटिव प्लेस, 22 रोडवेज जयपुर, राजस्थान से मुद्रित तथा 80 बीएम सिंहार, सिविल रोड, झोटवाड़ा, जयपुर, (राज.) से प्रकाशित। संपादक : ओमप्रीत भार्गव* मो. 9314062715 *पायनियर भवन के लिए पी.आर.बी. प्रेस्ट के तहत जिम्मेदार। RAJHIN/2022/86288

"आचार्य" हिमानी "शास्त्री"
ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति
मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ



सर्व समाज की ओर से दीपावली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन

दैनिक अधिकार, जयपुर। शुक्रवार को सर्व समाज सनातन समिति के तत्वावधान में दीपावली मिलन समारोह का आयोजन मानसरोवर स्थित अग्रवाल समाज सामुदायिक भवन में किया गया, इस कार्यक्रम में 51 गणमान्य नागरिक जो सरकार के शीर्ष पदों पर वर्तमान में कार्यरत एवं सेवानिवृत्त अधिकारी/ कर्मचारी, व्यापारी, सामाजिक क्षेत्र के कार्यकर्ता एवं धार्मिक विद्वान जो राष्ट्र एवं सामाजिक चेतना का कार्य कर समाज में सनातन का भाव जागृत रहे हैं, का इस कार्यक्रम में अभिनंदन किया गया। सभी को भगवान श्रीराम का चित्र का प्रतीक चिह्न (मोमेंटो), माला एवं सनातनी दुपट्टा देर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री राव राजेंद्र सिंह जी, माननीय सांसद जयपुर ग्रामीण एवं समिति सदस्यों द्वारा सम्मानित किया गया। सांसद महोदय ने आने वाली पीढी को सनातन संस्कारों से शिक्षित कर घर और विद्यालयों में राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत करने की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि हमारे संविधान की मुख्य पंक्ति में भी इंडिया दैट इज भारत के स्थान पर भारत दैट इज इंडिया होना चाहिए था क्योंकि भारत हमारा पुरातन नाम है जबकि इंडिया अंग्रेजों द्वारा दिया गया नाम है। समिति के संरक्षक माननीय डॉ. मेघेन्द्र शर्मा जी ने समाज को निरंतर जागरूक करते रहने को कहा क्योंकि हम दूरगामी दृष्टिकोण के साथ ना चलकर वर्तमान में अंग्रेजों की जीवन पद्धति जिसमें स्वयं की समृद्धि में विश्वास रखा जाता है, हमारी नई पीढी को सनातन संस्कार से युक्त वातावरण देकर तैयार करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के अंतिम चरण में सामुहिक हनुमान चालीसा का पूरे भाव के साथ पाठ हुआ उसके उपरान्त सभी ने अन्नकूट प्रसादी ली, समिति के सभी सदस्यों, ललित चौंदकोटिया, कमलेश टाँक, विवेक गोयल, गोपाल सैनी, जीतू बना, अभिनव जोशी, सतोष अग्रवाल एवं अनिल मंगल के साथ सभी आगंतुकों का मीडिया संयोजक मुकेश भारद्वाज एवं कार्यक्रम संयोजक रिंकू अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया ।

इस समाचार लेख में बताया गया है कि सर्व समाज सनातन समिति की ओर से जयपुर में दीपावली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सामाजिक भवन में हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में 51 प्रमुख नागरिकों को सम्मानित किया गया, साथ ही समाज में एकता, भाईचारे और सनातन संस्कृति के संरक्षण पर जोर दिया गया। मंच से वक्ताओं ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक मूल्यों को बनाए रखने का संदेश दिया।

dr.himanij@gmail.com
+919829021309
templearchitecture_
himanivedicdevsthapati
www.templearchitecture.com

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री"

ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति

मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ



आचार्या हिमानी शास्त्री की नई पुस्तक का विमोचन

गुड़गांव, 3 जून (ब्यूरो): भारत की प्राचीन स्थापत्य कला और वैदिक परंपरा के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, प्रसिद्ध वैदिक देवस्थापति एवं मंदिर स्थापत्य विशेषज्ञ आचार्या हिमानी शास्त्री की नई पुस्तक "मंदिर एवं देव स्थापत्य के मूल सिद्धांत, प्रमुख शैलियाँ" का भव्य विमोचन किया गया।

यह पुस्तक मंदिर निर्माण की विविध शैलियों, नागर, द्रविड़, बेसर आदि पर गहन शोध और वैदिक शास्त्रों के अनुरूप जानकारी प्रदान करती है।

मंदिर निर्माण को ले कर मुख्य रूप से तीन ही शैलियों का जिक्र अधिकांश आता है किंतु लेखक ने इस पुस्तक में भारत की प्रादेशिक की निर्माण पद्धतियों सहित कई प्रदेशों के मंदिरों की शैलियों का वर्णन है। यह ग्रंथ न केवल स्थापत्य कला के छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए अमूल्य है, बल्कि मंदिर

आचार्या हिमानी शास्त्री की नई पुस्तक।

इस समाचार लेख में बताया गया है कि “आचार्या” हिमानी “शास्त्री” ने अपनी नई पुस्तक “मंदिर एवं देव स्थापत्य के मूल सिद्धांत – प्रमुख शैलियाँ” का विमोचन किया।



दैनिक भास्कर

epaper.dainikbhaskarup.com

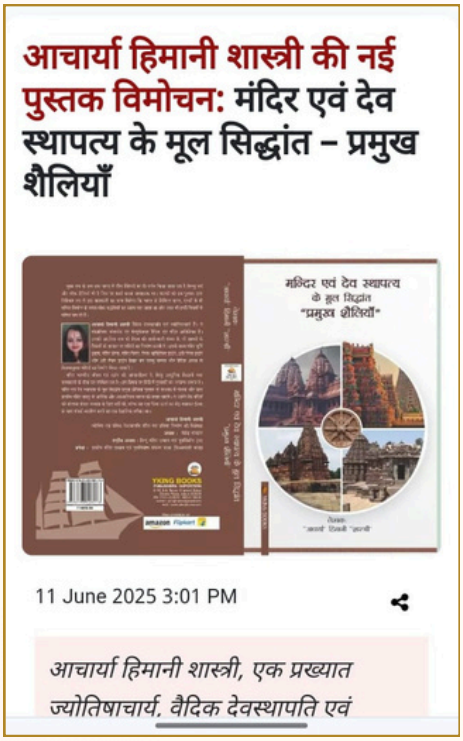
04 Jun 2025 - Noida15

प्राप्त कर अखिल भारतीय स्तर पर 15 पुष्टि करता है।

आचार्या हिमानी शास्त्री की नई पुस्तक विमोचनः “मंदिर एवं देव स्थापत्य के मूल सिद्धांत - प्रमुख शैलियाँ”

भास्कर समाचार सेवा

भारत की प्राचीन स्थापत्य कला और वैदिक परंपरा के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, प्रसिद्ध वैदिक देवस्थापति एवं मंदिर स्थापत्य विशेषज्ञ आचार्या हिमानी शास्त्री की नई पुस्तक मंदिर एवं देव स्थापत्य के मूल सिद्धांत प्रमुख शैलियाँ का भव्य विमोचन किया गया। यह पुस्तक मंदिर निर्माण की विविध शैलियों झ नागर, द्रविड़, बेसर आदि झ पर गहन शोध और वैदिक शास्त्रों के अनुरूप जानकारी प्रदान करती है। मंदिर निर्माण को ले कर मुख्य रूप से तीन ही शैलियों का जिक्र अधिकांश आता है किंतु लेखक ने इस पुस्तक में भारत की प्रादेशिक मन्दिर निर्माण पद्धतियों को भी उदाहरण के साथ विस्तार से समझाया है। जिनमे गुप्तकाल, चालुक्य, पल्लव और कश्मीर तक के मंदिरों की निर्माण पद्धतियों सहित कई प्रदेशों के मंदिरों की शैलियों का वर्णन है यह ग्रंथ न केवल स्थापत्य कला के छात्रों और शोधकताओं के लिए अमूल्य है, बल्कि मंदिर निर्माण से जुड़े वास्तुविदों, मूर्तिकारों और धमार्चार्यों के लिए भी एक अनमोल संदर्भ बनकर उभरा है। पुस्तक का उद्देश्य मंदिर निर्माण को मात्र स्थापत्य नहीं, बल्कि ऊर्जा केंद्र और दिव्यता के स्रोत के रूप में पुनः स्थापित करना है। आचार्या हिमानी शास्त्री, एक प्रख्यात ज्योतिषाचार्य, वैदिक देवस्थापति एवं सामाजिक सेविका हैं। वे मैत्रेय संस्थान की अध्यक्ष और हिन्दू मंदिर उत्थान एवं पुनर्निर्माण ट्रस्ट की राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं।



आचार्या हिमानी शास्त्री की नई पुस्तक विमोचन: मंदिर एवं देव स्थापत्य के मूल सिद्धांत – प्रमुख शैलियाँ

11 June 2025 3:01 PM

आचार्या हिमानी शास्त्री, एक प्रख्यात ज्योतिषाचार्य, वैदिक देवस्थापति एवं

यह पुस्तक भारत की प्राचीन स्थापत्य कला और वैदिक परंपराओं के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसमें मंदिर निर्माण की प्रमुख शैलियों जैसे नागर, द्रविड़, वेसर आदि पर गहन शोध और वैदिक शास्त्रों के आधार पर जानकारी दी गई है।

यह पुस्तक न केवल शोधकर्ताओं और छात्रों के लिए अमूल्य है, बल्कि मंदिर निर्माण, वास्तुविदों और धर्माचार्यों के लिए भी उपयोगी सिद्ध होगी। इसमें मंदिरों के निर्माण से जुड़ी शास्त्रीय विधियाँ, मूर्तिकला और धार्मिक स्थापत्य का विस्तारपूर्वक वर्णन किया गया है।

dr.himanij@gmail.com

+919829021309

templearchitecture_ himanivedicdevsthapati

www.templearchitecture.com

"आचार्य" हिमानी "शास्त्री"

ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति

मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ



प्राचीन मंदिरों के विकास के लिए उठेगा बड़ा कदम

पिछले कुछ वर्षों में केवल पुराने एमओयू ही फिर से रिन्यू हो रहे हैं। हमें वर्तमान सरकार से अपेक्षा है कि इस बार वास्तव में नई इंडस्ट्रीज और इन्वेस्टमेंट आएंगे। दूसरी ओर हमारे मंदिर और हेरिटेज अद्भुत हैं, लेकिन उसके पुनर्निर्माण और संरक्षण को लेकर सभी सरकारें उदासीन रहीं हैं। आगामी कार्यक्रम से हमारी अपेक्षा रहेगी कि इस बार प्राचीन मंदिरों को विकसित करने के लिए कुछ बड़ा कदम उठाया जाएगा। हम भी पूरे देश में अस्तित्व खो चुके और नष्ट हो चुके मंदिरों को पुनर्जीवित कर उनका पुनर्निर्माण कर रहे हैं।

आचार्या हिमानी शास्त्री
ज्योतिष व वैदिक देवस्थापति
मंदिर और प्रतिमा निर्माण विशेषज्ञ

यह समाचार **“आचार्य” हिमानी “शास्त्री”** के एक महत्वपूर्ण प्रयास को दर्शाता है, जिसमें उन्होंने प्राचीन मंदिरों के विकास, पुनर्निर्माण और संरक्षण के लिए बड़े कदम उठाने की घोषणा की है। उन्होंने बताया कि अब ध्यान सिर्फ उद्योगों पर नहीं, बल्कि हमारे मंदिरों और हेरिटेज स्थलों के संरक्षण पर भी होना चाहिए। उनके अनुसार, यह पहल सांस्कृतिक धरोहर को बचाने और आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने के लिए अत्यंत आवश्यक है।



दैनिक भास्कर जयपुर 25-01-2024

मोती डूंगरी महंत कैलाश शर्मा ने किया पोस्टर का विमोचन

बिड़ला मंदिर में देशभर के आर्टिस्ट पेंटिंग बना प्रभु राम के सभी स्वरूप साकार करेंगे

सिटी रिपोर्टर | जयपुर

भगवान श्री राम के स्वरूप को देशभर के टॉप आर्टिस्ट गुलाबी नगरी में रहकर दो दिनों तक प्रभु श्री राम पर लाइव पेंटिंग बनाकर साकार करेंगे। इस दौरान श्री राम के बाल अवस्था से लेकर रामायण काल तक के स्वरूपों को बनाया जाएगा। मोतीडूंगरी गणेश जी मंदिर के महंत कैलाश शर्मा ने बुधवार को कार्यक्रम का पोस्टर जारी किया। इस अवसर पर कार्यक्रम के संरक्षक गोविंद पारीक एवं समाजसेवी गौरव गुर्जर भी मौजूद रहे। कार्यक्रम आयोजक हिमानी शास्त्री ने बताया कि कलाकार अपनी कला और राम के विभिन्न स्वरूपों की जानकारी देंगे। प्रवक्ता ओमवीर भार्गव ने बताया कि मैत्रेय संस्थान, यज्ञ फाउंडेशन और आर्ट फिएस्टा ने संयुक्त तत्वावधान में ये अनूठा आयोजन 26 व 27 जनवरी को बिड़ला मंदिर में होगा। कार्यक्रम संयोजक गौरव गुर्जर ने बताया कि श्रीराम के सभी स्वरूपों की लाइव पेंटिंग्स बनाने का कार्यक्रम नेशनल ओर इंटरनेशनल आर्टिस्ट द्वारा आयोजित किया है। पेंटिंग्स बिरला मंदिर में बनाई जाएंगी और इन्हीं पेंटिंग्स की प्रदर्शनी 28 जनवरी को जवाहर कला केंद्र में आयोजित की जाएगी।

यह समाचार बिरला मंदिर, जयपुर में आयोजित एक विशेष कला आयोजन को दर्शाता है, जहाँ देशभर से आए कलाकारों ने प्रभु श्रीराम के विभिन्न स्वरूपों को लाइव पेंटिंग के माध्यम से साकार किया। यह आयोजन राम जन्म से लेकर रामायण काल तक के स्वरूपों को चित्रों के रूप में प्रस्तुत करने के उद्देश्य से किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य श्रीराम के जीवन के विभिन्न चरणों को कलात्मक रूप में जनमानस तक पहुँचाना रहा। इसका पोस्टर विमोचन महंत कैलाश शर्मा द्वारा किया गया। यह आयोजन 26-27 जनवरी को हुआ और 28 जनवरी को सभी चित्रों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

dr.himanij@gmail.com +919829021309

templearchitecture_ himanivedicdevsthapati

www.templearchitecture.com

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री"

ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति

मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ





मेरी पुस्तक **“मन्दिर एवं देव स्थापत्य के मूल सिद्धांत : प्रमुख शैलियाँ”** का विमोचन करने का सुअवसर प्राप्त हुआ। यह गरिमामय अवसर इंडिया पेस्ट कन्वेंशन के 58वें कार्यक्रम में, **माननीय श्री भोजराज जी (अध्यक्ष)** एवं **श्री सतीश त्यागी जी (अध्यक्ष, भारत)** के कर-कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ।



dr.himanij@gmail.com

+919829021309

templearchitecture_

himanivedicdevsthapati

www.templearchitecture.com

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री"

ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति

मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ



आज **अनुज श्री अनुराग सक्सेना जी** को **प्रताप गौरव केंद्र की लाइब्रेरी एवं उनके साहित्य संकलन** हेतु मेरी पुस्तक उपहारस्वरूप प्रदान की।

dr.himanij@gmail.com

+919829021309

templearchitecture_

himanivedicdevsthapati

www.templearchitecture.com

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री"
ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति
मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ



पुलिस महानिरीक्षक, उदयपुर और मेरे छोटे भाई समान **श्री गौरव श्रीवास्तव जी** को उनके निवास स्थान पर मेरी पुस्तक भेंट की।

dr.himanij@gmail.com
+919829021309
templearchitecture_
himanivedicdevsthapati
www.templearchitecture.com

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री"

ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति

मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ





मेरी पुस्तक **“मन्दिर एवं देव स्थापत्य के मूल सिद्धांत : प्रमुख शैलियाँ”** का विमोचन करने का सुअवसर प्राप्त हुआ। यह गरिमामय अवसर इंडिया पेस्ट कन्वेंशन के 58वें कार्यक्रम में, **माननीय श्री भोजराज जी (अध्यक्ष)** एवं **श्री सतीश त्यागी जी (अध्यक्ष, भारत)** के कर-कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ।



dr.himanij@gmail.com

+919829021309

templearchitecture_

himanivedicdevsthapati

www.templearchitecture.com

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री"
ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति
मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ



जयपुर प्रवास के दोरान उत्तराखंड से पधारे राज्य **आपदा प्रबंधन सलाहकार समिति** के **अध्यक्ष श्री विनय कुमार रोहिल्ला जी** को मेरी पुस्तक भेंट की।

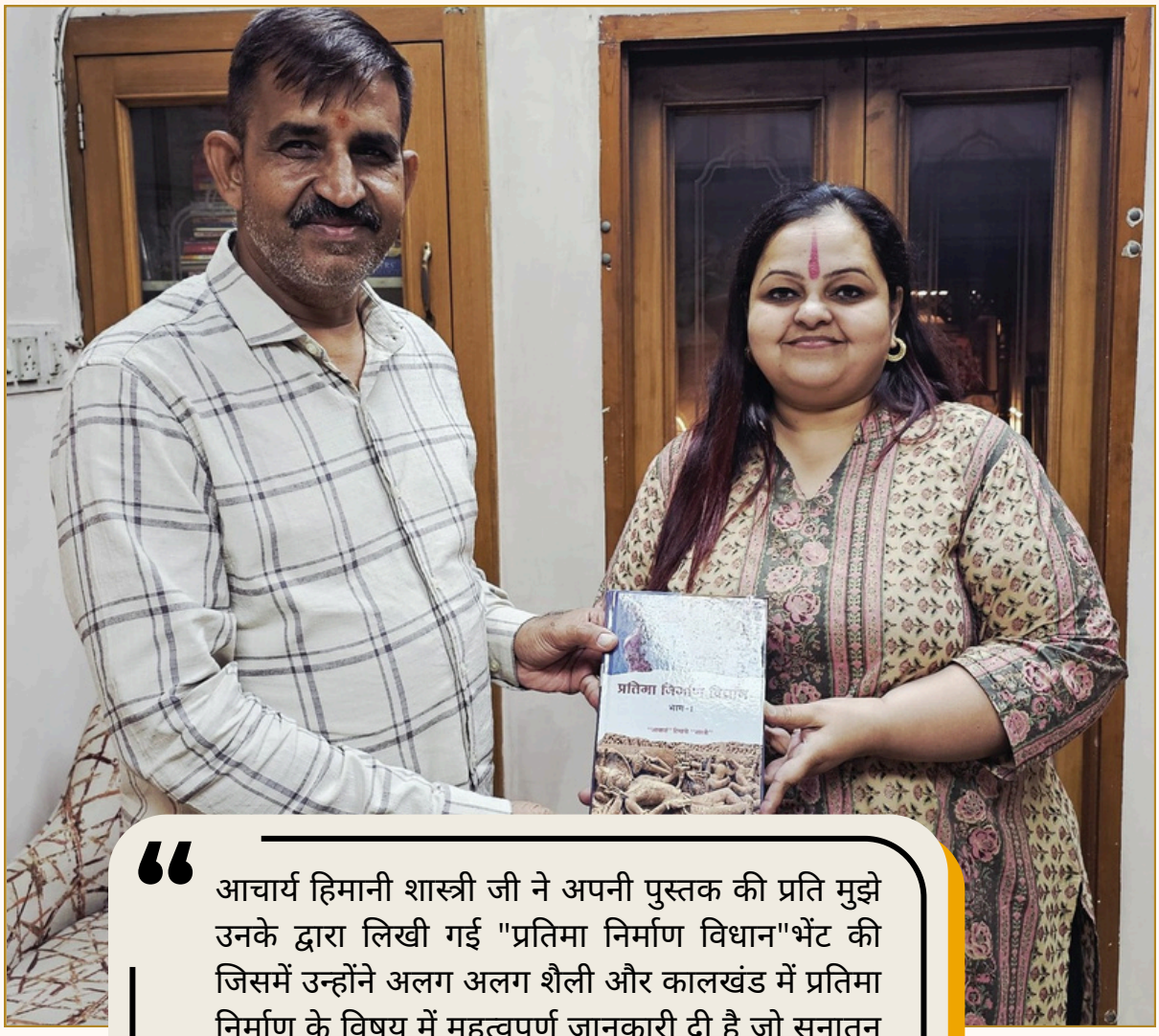


dr.himanij@gmail.com
+919829021309
templearchitecture_
himanivedicdevsthapati
www.templearchitecture.com

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री"

ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति

मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ



> आचार्य हिमानी शास्त्री जी ने अपनी पुस्तक की प्रति मुझे उनके द्वारा लिखी गई "प्रतिमा निर्माण विधान"भेंट की जिसमें उन्होंने अलग अलग शैली और कालखंड में प्रतिमा निर्माण के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी दी है जो सनातन प्रेमियों के लिए बहुत ज्ञानवर्धक है इस अनपम भेंट के लिए हृदय से आभार,आपकी लेखन यात्रा के लिए बहुत बहुत शुभकामनाऐं...

जयपुर प्रवास के दोरान उत्तराखंड से पधारे राज्य आपदा प्रबंधन सलाहकार समिति के अध्यक्ष श्री विनय कुमार रोहिल्ला जी को मेरी पुस्तक भेंट की।

dr.himanij@gmail.com

+919829021309

templearchitecture_

himanivedicdevsthapati

www.templearchitecture.com

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री"

ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति

मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ



जनता की सेवा में जनप्रतिनिधि श्रीकृष्ण की नीतियों को करें शामिल

जयपुर विभिन्न क्षेत्रों के वक्ताओं ने अनूठे प्रोग्राम सरोकार में जन्माष्टमी पर्व को अलग अंदाज में किया सेलिब्रेट

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में मैत्रेय संस्थान की ओर से प्रायोजित लाइव टॉक शो «सरोकार» में श्रीकृष्ण नीति पर चर्चा की गई। इस मौके पर राजस्थान में चुनाव आने वाले हैं और राजनीति के नए-नए तरीकों का इस्तेमाल किया जाएगा। जैसा हर चुनाव में होता है। इसी बात को जहन में रखते हुए कृष्ण के सुझाए राजनीतिक सुझावों को किस प्रकार आज के राजनेता जनता के हित में प्रयोग में ले सकते हैं पर चर्चा की गई।

ये रहे वक्ता: कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय प्रमुख धर्म समाज अखिल भारतीय सन्त समिति आचार्य शुभेष शर्मन

(दिल्ली), पंडित सुरेश मिश्रा, डॉ. अतुल गुप्ता- चेयरमैन ऑर्गेनिक फार्मिंग, विजय कौशिक-राष्ट्रीय महासचिव हिंदू समाज, आचार्य अनुपम जौली- वैदिक ज्योतिष व आध्यात्मिक गुरु व समाज सेवी पवन गोयल शामिल हुए।

पैनल डिक्सन में सभी वक्ताओं ने अपने-अपने शब्दों और भावों में कहा, कि कृष्ण दार्शनिक, मनोचिकित्सक व प्रखर राजनैतिक सलाहकार थे। वे भारत में हमेशा जन मानस को जीवन के हर मोड़ पर मार्गदर्शन व प्रेरणा देते आएं हैं। भागवत गीता का प्रत्येक श्लोक जीवन पर्यंत ही नहीं, मृत्यु उपरांत भी प्रेरणा और मानसिक सम्बल देता है। हमारे राजनेता अगर पूर्ण विवेक से सही मायने में कृष्ण की नीतियों का अनुसरण कर लें तो निश्चित सुराज की स्थापना हो जाएगी। आगामी चुनाव में हमें यही अपेक्षा है, कि समाज का प्रत्येक प्रतिनिधि और चुनाव का उम्मीदवार जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए अग्रसर हो। लोगो की जिज्ञासा को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम की संयोजक व मॉडरेटर «आचार्या» हिमानी «शास्त्री» ने बताया, कि हर साल जन्माष्टमी का उत्सव मनाते हुए यही खयाल आता है, कि कृष्ण की सभी चौंसठ कलाओं पर विस्तृत चर्चा होनी चाहिए। इसको देखते हुए यह विशेष प्रोग्राम आयोजित किया गया। इसी को ध्यान रखते हुए इस बार श्री कृष्ण की राजनीतिक स्वरूप की चर्चा का विषय रखा गया।



जनता की सेवा में जनप्रतिनिधि श्रीकृष्ण की नीतियों को करें शामिलः जयपुर विभिन्न क्षेत्रों के वक्ताओं ने अनूठे प्रोग्राम सरोकार में जन्माष्टमी पर्व को अलग अंदाज में किया सेलिब्रेट

■ वंदना दुबिया

जयपुर। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में मैत्रेय संस्थान की ओर से प्रायोजित लाइव टॉक शो 'सरोकार' में श्रीकृष्ण नीति पर चर्चा की गई। इस मौके पर राजस्थान में चुनाव आने वाले हैं और राजनीति के नए-नए तरीकों का इस्तेमाल किया जाएगा। जैसा हर चुनाव में होता है। इसी बात को जहन में रखते हुए कृष्ण के सुझाए राजनीतिक सुझावों को किस प्रकार आज के राजनेता जनता के हित में प्रयोग में ले सकते हैं पर चर्चा की गई।

ये रहे वक्ता

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय प्रमुख धर्म समाज अखिल भारतीय सन्त समिति आचार्य शुभेष शर्मन (दिल्ली), पंडित सुरेश मिश्रा, डॉ. अतुल गुप्ता- चेयरमैन ऑर्गेनिक फार्मिंग, विजय कौशिक-राष्ट्रीय महासचिव हिंदू समाज, आचार्य अनुपम जौली- वैदिक ज्योतिष व आध्यात्मिक गुरु व समाज सेवी पवन गोयल शामिल हुए। पैनल डिक्सन में सभी वक्ताओं ने अपने-अपने शब्दों और भावों में कहा, कि कृष्ण दार्शनिक, मनोचिकित्सक व प्रखर राजनैतिक सलाहकार थे। वे भारत में हमेशा जन मानस को जीवन के हर मोड़ पर मार्गदर्शन व प्रेरणा देते आएं हैं। भागवत गीता का प्रत्येक श्लोक जीवन पर्यंत ही नहीं, मृत्यु उपरांत भी प्रेरणा और मानसिक सम्बल देता है। हमारे राजनेता अगर पूर्ण विवेक से सही मायने में कृष्ण की नीतियों का अनुसरण कर लें तो निश्चित सुराज की स्थापना हो जाएगी। आगामी चुनाव में हमें यही अपेक्षा है, कि समाज का प्रत्येक प्रतिनिधि और चुनाव का उम्मीदवार जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए अग्रसर हो। लोगो की जिज्ञासा को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम की संयोजक व मॉडरेटर 'आचार्या' हिमानी 'शास्त्री' ने बताया, कि हर साल जन्माष्टमी का उत्सव मनाते हुए यही खयाल आता है, कि कृष्ण की सभी चौंसठ कलाओं पर विस्तृत चर्चा होनी चाहिए। इसको देखते हुए यह विशेष प्रोग्राम आयोजित किया गया। इसी को ध्यान रखते हुए इस बार श्री कृष्ण की राजनीतिक स्वरूप को



सरोकार कार्यक्रम में परिचर्चा

कृष्ण नीतियां जनसेवा को करती हैं साकार

बेधड़क | जयपुर

सोशल वर्कर्स, ज्योतिष विशेषज्ञों और व्यापारियों ने श्रीकृष्ण की नीतियों से जनता की सेवा को साकार करने की बात कही। उन्होंने समझाया कि भगवान की पद चिन्हों पर चलने मात्र से ही सफलता पाई जा सकती है। ये अनूठा आयोजन था श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में मैत्रेय संस्थान की ओर से प्रायोजित लाइव परिचर्चा की गई। विशेषज्ञों ने कहा कि किस प्रकार आज के जनप्रतिनिधि जनता हित में उन सुझावों को प्रयोग में ले सकतें हैं।

कार्यक्रम संयोजक व मॉडरेटर आचार्या हिमानी शास्त्री ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय प्रमुख धर्म समाज अखिल भारतीय सन्त समिति आचार्य शुभेष शर्मन, पंडित सुरेश मिश्रा,



'जनता की सेवा में जनप्रतिनिधि श्रीकृष्ण की नीतियों को करें शामिल'

महानगर संवाददाता

जयपुर। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में मैत्रेय संस्थान की ओर से प्रायोजित लाइव टाक शो 'सरोकार' में श्रीकृष्ण नीति पर चर्चा की गई। इस मौके पर कृष्ण के सुझाए राजनीतिक सुझावों को किस प्रकार आज के राजनेता जनता के हित में प्रयोग में ले सकतें हैं, इस पर हुई।

मुख्य वक्ता अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय प्रमुख धर्म समाज आचार्य शुभेष शर्मन (दिल्ली), ऑर्गेनिक फार्मिंग के डॉ. चेयरमैन अतुल गुप्ता, हिंदू समाज के राष्ट्रीय महासचिव विजय कौशिक, वैदिक ज्योतिष व आध्यात्मिक गुरु आचार्य अनुपम जौली व समाजसेवी पवन गोयल शामिल हुए। पैनल डिक्सन में सभी वक्ताओं ने अपने-अपने शब्दों और भावों में कहा कि कृष्ण दार्शनिक, मनोचिकित्सक व प्रखर राजनैतिक सलाहकार थे। हमारे राजनेता अगर पूर्ण विवेक से सही मायने में कृष्ण की नीतियों का

यह पुस्तक भारत की प्राचीन स्थापत्य कला और वैदिक परंपराओं के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसमें मंदिर निर्माण की प्रमुख शैलियों जैसे नागर, द्रविड़, वेसर आदि पर गहन शोध और वैदिक शास्त्रों के आधार पर जानकारी दी गई है।

यह पुस्तक न केवल शोधकर्ताओं और छात्रों के लिए अमूल्य है, बल्कि मंदिर निर्माण, वास्तुविदों और धर्माचार्यों के लिए भी उपयोगी सिद्ध होगी। इसमें मंदिरों के निर्माण से जुड़ी शास्त्रीय विधियाँ, मूर्तिकला और धार्मिक स्थापत्य का विस्तारपूर्वक वर्णन किया गया है।

dr.himanij@gmail.com

+919829021309

templearchitecture_ himanivedicdevsthapati

www.templearchitecture.com

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री"

ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति

मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ

दैनिक भास्कर

जयपुर 05-01-2024

भास्कर खास • जयपुर की आचार्या ने देव प्रतिमाओं के निर्माण के शास्त्रीय नियमों एवं प्राचीन रहस्यों पर किए शोध कार्य

आसन, शयन, स्थानक मुद्राओं में ज्यादातर मूर्तियां भगवान विष्णुजी की तो वहीं देवियों के हाथों में त्रिशूल, कमल, तलवार और शंख

सिटी रिपोर्टर | जयपुर

देव-प्रतिमाओं की बनावट और उनके शृंगार के हिसाब से ही उनकी विशेषताओं को दर्शाया जाता है। प्राचीनकाल से ही कई देव प्रतिमाओं के हाथों में अस्त्र-शस्त्र जैसी बनावटें उकरी हुई मिलती हैं। ये सब उनकी चारित्रिक विशेषताएं दर्शाती हैं। यह कहना है कि देव प्रतिमाओं पर शोध कार्य कर रही आचार्य हिमानी जॉली का।

उन्होंने बताया कि दुर्लभ प्रतिमाओं में विष्णुजी की प्रतिमा प्रमुख है। इनकी प्रतिमा में धनुष, बाण, खड्ग, शंख एवं कमल का फूल जैसी आकृतियां



भी देखने को मिलती हैं। इन्हीं के आधार पर विष्णु जी के अलग-अलग अवतारों में अंतर स्पष्ट होता है। इसी प्रकार अंकुश एवं पाश को गणेश, सरस्वती तथा अन्य देवताओं के साथ जोड़ कर देखा गया। शक्ति, वज्र एवं टांका सुब्रह्मण्यम के शस्त्र है, जो दक्षिण भारत मे विशेष मान्यता लिए हुए हैं। दुर्गा एवं अन्य देवियों के हाथों में त्रिशूल, कमल, धनुष, तलवार एवं शंख देखने को मिलते हैं, जिनके आधार पर उनकी प्रतिमा के प्रकार अलग-अलग हो जाते हैं। शास्त्रों के अनुसार हमेशा विष्णु जी की प्रतिमाओं का निर्माण मुख्य तीन प्रकार से किया जाता है। जिनमें खड़ी, बैठी अथवा लेटी हुई आकृति की प्रतिमा है। विष्णुजी की खड़ी प्रतिमा को स्थानक प्रतिमा कहते हैं, बैठी हुई को आसन प्रतिमा और लेटी हुई प्रतिमा को शयन प्रतिमा। इनकी अलग-अलग चारित्रिक विशेषताओं के आधार पर योग, भोग, वीर तथा अभिचार वर्गों में विभक्त किया जाता है।

लक्ष्मी-गणपति की पाषण प्रतिमा

हिमानी शास्त्री ने बताया कि वैदिक देव स्थापत्य के मूल सिद्धांत पर कार्य पूर्ण कर लिया गया है। हिन्दू प्रतिमा विज्ञान का सिद्धांत एवं तत्व पर रिसर्च किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शोध कार्य के दौरान सामने आया कि तनकाशी स्थित विश्वनाथस्वामी मंदिर में स्थापित लक्ष्मी गणपति की पाषाण प्रतिमा है। इसे पंड्या राजा अरीकेसरी पराक्रम पांड्यदेव द्वारा 1446 में बनाया गया था। गणपति की प्रतिमा के दस हाथ हैं जिनमे चक्र, शंख, शूल, परसु, दांत तथा पाश इत्यादि है।

दैनिक भास्कर

जयपुर 25-06-2023

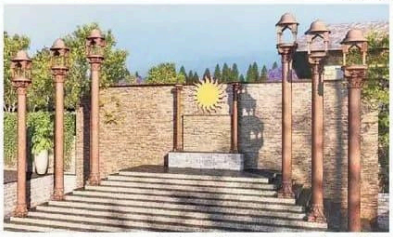
भास्कर खास • शहर की हिमानी शास्त्री ने बनाया देश का पहला देव महासभा ध्यान केंद्र

लोग ग्रहों को कह सकेंगे अपनी समस्या... देव महासभा में बैठकर शरीर को सभी 7 ग्रहों की अनुकूल ऊर्जा मिलेगी

तेजप्रकाश कुमावत | जयपुर



गुलाबी नगर अपनी ज्योतिषी स्थापत्य कला के लिए मशहूर है। जयपुराइट्स अपनी इसी कला को देशभर में प्रसिद्धि दिला रहे हैं। जयपुर की वैदिक कंसलटेंट हिमानी शास्त्री ने देहरादून के एक वेलनेस सेंटर में देश का पहला ज्योतिष शास्त्र व वास्तु स्थापत्य पर आधारित मेडिटेशन एरिया डिजाइन किया है। जहां लोग ग्रहों के मध्य बैठकर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। हिमानी शास्त्री ने बताया कि पृथ्वी की गति और गतिविधि दोनों ही उन सात ग्रहों के चारों ओर घूमती रहती है, जो हमारी आकाशगंगा में मौजूद हैं। पृथ्वी पर मौजूद प्रत्येक प्राणी और मनुष्य का जीवन इन्हीं सातों ग्रहों की अनवरत और अनंत गतिविधियों के हिसाब से चलता है। मनुष्य का जीवन कई उलझनों से भरा रहता है और हम सभी यह चाहते है कि हम किसी से



अपनी समस्या दिल खोल कर कह सकें और उनकी सुनवाई हो। 'देव महासभा' बनाने के कांसेप्ट के पीछे का मुख्य उद्देश्य भी यही है। सूर्य देव और उनकी सभा में उपस्थित रहने वाले बाकी ग्रह बुध, चंद्रमा, शुक्र, गुरु, शनि, मंगल से हमें संवाद का एक मौका जरूर मिले और हम अपनी समस्या उनसे कह सकें। इनमें सूर्य के प्रतीक स्तंभ को सर्वोच्च क्रम में रखा गया है। इसके बाद अन्य छह ग्रहों के प्रतीक स्तंभों का निर्माण किया है। यह स्कल्पचर सभी को भावनात्मक शांति और मानसिक शक्ति देगा। देव महासभा को इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि यहां बैठने पर शरीर को सभी सात ग्रहों की अनुकूल ऊर्जा प्राप्त हो सके।

'तत्वमयी' ध्यान केंद्र में मिलेगी मन अद्भुत अनुभूति

वेलनेस सेंटर में देव महासभा के अलावा एक 'तत्वमयी' ध्यान केंद्र भी बनाया गया है। यहां कुछ देर शांत होकर बैठने पर सभी तत्वों की ऊर्जाओं को एक वेग से स्वयं के अंदर प्रवेश करते हुए महसूस करेंगे। क्योंकि इस कक्ष को तत्वों को उचित दिशा और ब्रह्मांड की पवित्र ऊर्जा को केंद्रित करने वाली भूमि पर बनाया गया है। भूमि के अंदर से ले लाइन का वो हिस्सा गुजर रहा है जो मनुष्य के संपूर्ण शरीर के लौह तत्व को सामान्य गति पर ले आता है। इससे मस्तिष्क तक पर्याप्त गति से और पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन पहुंचने लगती है और आपका मन धीरे-धीरे शांत हो जाता है। यह अवस्था इस स्थान पर स्वाभाविक ही उत्पन्न हो जाएगी, जब आप मन को केन्द्रित करके ध्यान में बैठेंगे तो कक्ष में केन्द्रित की हुई अग्नि, जल एव वायु तत्व की ऊर्जा आपके तन और मन दोनों को अद्भुत अनुभूति देगा।

देव महासभा

अब लोग अपनी समस्या कह सकेंगे देव महासभा में बैठकर। देव महासभा में बैठने से शरीर को सभी ग्रहों की अनुकूल ऊर्जा मिलेगी। भारतीय ज्योतिष के 7 ग्रहों को आधार मानकर इस पूरे रिसोर्ट की रचना की गई है। हर एक ब्लॉक ज्योतिष और वास्तु की मान्यताओं पर खरा उतरता है।

dr.himanij@gmail.com

+919829021309

templearchitecture_

himanivedicdevsthapati

www.templearchitecture.com

ओम कल्याण रिसोर्ट में राशी तथा ग्रहों के अनुसार कमरों का निर्माण किया गया है ताकि ग्रह विशेष की अनुकूलता प्राप्त हो सके। इस समाचार लेख में बताया गया है कि "आचार्या" हिमानी "शास्त्री" ने जयपुर में देश का पहला **देव महासभा** ध्यान केंद्र और वेलनेस सेंटर विकसित किया है। यह केंद्र ज्योतिष शास्त्र और वास्तु सिद्धांतों पर आधारित है, जहाँ लोग ध्यान कर सकते हैं और सभी 7 ग्रहों की सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त कर सकते हैं।

लेख में उल्लेख है कि यहाँ विशेष देव महासभा बनाई गई है, जहाँ लोग अपनी समस्याओं को खुलकर कह सकते हैं और मानसिक शांति पा सकते हैं। इसके अलावा, 'तत्वमयी' ध्यान केंद्र भी स्थापित किया गया है, जो आध्यात्मिक और भावनात्मक संतुलन के लिए बनाया गया है।



प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने X (पूर्व ट्विटर) प्लेटफॉर्म पर आचार्या हिमानी शास्त्री जी के कार्य की सराहना करते हुए

देहरादून के इन्वेस्टर्स समिट में देवभूमि के उत्पादों को करीब से देखने के साथ ही इनके कारोबार से जुड़े अपने परिवारजनों से संवाद का अवसर मिला। मुझे विश्वास है कि उत्तराखंड में बनी चीजें दुनियाभर में अपनी विशेष पहचान बनाएंगी।



dr.himanij@gmail.com
+919829021309
templearchitecture_
himanivedicdevsthapati
www.templearchitecture.com

"आचार्य" हिमानी "शास्त्री"

ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति

मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ





राजस्थान के सभी जिलों से होकर गुजरेगी संकल्प यात्रा

प्राचीन मंदिरों का होगा जीर्णोद्धार, गोद लेकर किया जाएगा संरक्षण

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. 'प्रदेश में कई ऐसे मंदिर भी हैं, जिनके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। राज्य सरकार द्वारा उनकी सुध नहीं लिए जाने के चलते वे जीर्ण-शीर्ण हाल में हैं। इनके इतिहास से आमजन को रूबरू कराने के साथ ही उनका जीर्णोद्धार भी कराया जाएगा। मैत्रेय संस्थान व हिन्दू मन्दिर उत्थान एवं पुनर्निर्माण ट्रस्ट ने इनकी सार संभाल और संरक्षण का बीड़ा उठाया है।' जवाहर कला केंद्र में शनिवार को ट्रस्ट की पदाधिकारी आचार्य हिमानी शास्त्री ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत जल्द ही प्रदेश भर में संकल्प यात्रा भी निकाली जाएगी। इस मौके पर यात्रा के पोस्टर का विमोचन भी हुआ। गोविंद पारीक, ब्रह्म शक्ति संघ के अध्यक्ष राहुल द्विवेदी व घनश्याम भार्गव आदि मौजूद रहे।

बढ़ेगा धार्मिक पर्यटन

संकल्प यात्रा प्रदेश और देशभर के सभी जिलों से होकर गुजरेगी। इस दौरान उन प्राचीन मंदिरों को गोद लिया जाएगा, जिनका मूल रूप समाप्त हो चुका है। उनका जीर्णोद्धार करवाया जाएगा। आचार्या हिमानी ने बताया कि संकल्प यात्रा के माध्यम से इन मंदिरों के इतिहास को पुनर्जीवित किया जाएगा। इस पहल से देशभर में धार्मिक पर्यटन में इजाफा होगा।

यह होगा खास

- मंदिरों के इतिहास का लेखन कार्य व उनका जीर्णोद्धार।
- दस्तावेजों का डिजिटलाइजेशन।
- मंदिरों के नवीनीकरण के लिए ट्रस्ट की स्थापना।
- मंदिर परिसर में ही योग के विभिन्न आसनों का नि:शुल्क प्रशिक्षण।
- उचित देखरेख के लिए कार्यकारिणी का गठन।

यह समाचार मैत्रेय संस्थान द्वारा शुरू की गई "प्राचीन मंदिर पुनर्निर्माण संकल्प यात्रा" के बारे में है, जो राजस्थान के 33 जिलों में जाएगी। इस यात्रा का उद्देश्य पुराने और उपेक्षित मंदिरों के संरक्षण, पुनर्निर्माण और जनजागरण को बढ़ावा देना है।

dr.himanij@gmail.com

+919829021309

templearchitecture_

himanivedicdevsthapati

www.templearchitecture.com

यात्रा में प्रमुख संतों और धार्मिक गुरुओं की भागीदारी से सामाजिक व आध्यात्मिक चेतना को सशक्त करने का प्रयास किया जाएगा। यह एक महत्वपूर्ण पहल है जो हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने की दिशा में सार्थक कदम है।



इवेंट्स बेधड़क

जयपुर

जेकेके में यज्ञ फाउंडेशन, मैत्रेय संस्थान व आर्ट फिएस्टा का विशेष कार्यक्रम

जनमानस के राम को उकेरने वालों का पिंकसिटी में सम्मान

25 कलाकारों का रहा सृजन

आर्ट गैलरी हुई राममय

इन कलाकारों का हुआ सम्मान

dr.himanij@gmail.com
+919829021309
templearchitecture_
himanivedicdevsthapati
www.templearchitecture.com

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री"

ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति

मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ





यह समाचार भारत में जयपुर से शुरू हुई प्राचीन व विलुप्त मंदिरों के पुनर्निर्माण एवं पुनरुत्थान की संकल्प यात्रा से संबंधित है। इसका उद्देश्य भारतभर में उपेक्षित व लुप्त हो चुके मंदिरों की खोज कर उनका दोबारा निर्माण और संरक्षण करना है। इस यात्रा के माध्यम से जनजागृति, प्रशिक्षण, और मंदिरों के ऐतिहासिक व सांस्कृतिक महत्व को पुनः स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा। विभिन्न संतों और समाजसेवियों की सहभागिता से यह पहल सांस्कृतिक पुनर्जागरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

जयपुर से शुरू हुई भारत में प्राचीन मंदिर पुनर्निर्माण संकल्प यात्रा

प्राचीन व विलुप्त मंदिरों का होगा पुनर्निर्माण एवं पुनरुत्थान

समाचार जगत न्यूज

जयपुर. छोटी काशी जयपुर में संपूर्ण भारत के प्राचीन एवं विलुप्त मंदिरों का पुराना वैभव लौटाने के लिए मैत्रेय संस्थान एवं हिंदू टेम्पल डेवेलपमेंट एन्ड रिस्टोरेशन ट्रस्ट के बैनर तले आधा दर्जन धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं तथा सभी प्रमुख पीठ, मठ, मंदिर के संतों-महंतों, धर्माचार्यों ने एक मंच पर संकल्प लिया। जवाहर कला केंद्र में गुरुवार को भारत में प्राचीन मंदिर पुनर्निर्माण संकल्प यात्रा की शुरुआत हुई, जिसमें समाज के सहयोग से देश के मंदिरों को एक बार फिर प्राणवान बनाया जाएगा। उत्तर भारत की प्रमुख वैष्णव पीठ श्री गलताजी के



पीठाधीश्वर अवधेशाचार्य महाराज के सान्निध्य में विभिन्न धर्माचार्यों ने इस संकल्प यात्रा का श्रीगणेश किया। मुख्य अतिथि हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य ने कहा कि देश को पुनः विश्वगुरू बनाने का समय आ गया है। हालांकि अभी चुनौतियां खत्म नहीं हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में मां भारती परम वैभव को प्राप्त करेगी।

आचार्या हिमानी शास्त्री ने कहा कि यात्रा पूरे देश में जाएगी। राजस्थान के सभी जिलों से होकर यात्रा गुजरेगी। यात्रा के दौरान मंदिरों का जीर्णोद्धार करवाया जाएगा। खंडित मूर्तियों की जगह नवीन प्रतिमाएं स्थापित की जाएगी। कार्यक्रम में महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञानेश्वरपुरी, किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर पुष्पा माई, गलता पीठ के युवराज राघवेन्द्राचार्य, अखिल भारतीय सन्त समिति के प्रमुख शुभेश शर्मन, धर्म समाज प्रमुख राहुल द्विवेदी, कोर्यवट्टूर से युगामूर्ति और महंत वृज किशोर शर्मा सहित आचार्य अजुपम जी एवं अनेक संत-महंत मंचस्थ रहे। निम्स हॉस्पिटल एवं यूनिवर्सिटी के निदेशक तथा भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ. पंकज सिंह ने कहा कि संकल्प यात्रा में निम्स हॉस्पिटल की ओर से चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएगी। इस मौके पर भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रवक्ता सर्वेश्वर शर्मा भी उपस्थित रहे।

संकल्प पत्र जारी, मंदिरों में मिलेगा प्रशिक्षण

आचार्या हिमानी शास्त्री ने बताया कि इस मौके पर संत समाज संकल्प पत्र जारी किया। इसमें प्राचीन मंदिरों के पुनर्निर्माण, प्राचीन सांस्कृतिक विधाओं, कलाओं की शिक्षा-दीक्षा की व्यवस्था करना, मंदिरों की रसोई में निर्मित प्रसाद एवं भोजन को जरुरतमंदों को वितरण करना, मंदिरों में जल संरक्षण, साफ-सफाई की सुचारु व्यवस्था की स्थापना, कृषि में वैदिक ज्ञान का उपयोग, गांवों में दाह संस्कार के लिए भूमि चिह्नित करना, गौकाष्ठ से दाह संस्कार को प्रोत्साहन देना, मंदिरों में योग एवं आसन का निःशुल्क प्रशिक्षण, शस्त्र कला का प्रशिक्षण, वेद-शास्त्रों का अध्ययन, नृत्य एवं संगीत कला, चित्रकारी, मूर्तिकला का प्रशिक्षण, शाकाहारी भोजन एवं व्यंजन बनाने का प्रशिक्षण, आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र की स्थापना, गौशाला और पुस्तकालय की स्थापना जैसे विषयों का उठाया जाएगा।

विभिन्न क्षेत्र की हस्तियों का सम्मान

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए शिक्षाविद दीपक शर्मा, समाजसेवी गौरांग अग्रवाल, चिकित्सा के क्षेत्र में डॉ. पंकज सिंह, पत्रकार ऐवज पांचाल, सौर ऊर्जा के क्षेत्र में घिरंजीलाल कुमावत सहित सामाजिक कार्यकर्ताओं और धर्म रक्षकों का सम्मान किया गया।

dr.himanij@gmail.com

+919829021309

templearchitecture_ himanivedicdevsthapati

www.templearchitecture.com

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री"

ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति

मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ



दैनिक भास्कर जयपुर सिटी भास्कर 01-10-2023

City भास्कर

NEWS BRIEF

भास्कर के मनोज श्रेष्ठ को प्रथम पुरस्कार



सिटी रिपोर्टर | राजस्थान फोटो उत्सव 2023 के समापन समारोह में बेहतरीन फोटोग्राफी के लिए तीन फोटो जर्नलिस्ट को सम्मानित किया गया। पहला पुरस्कार दैनिक भास्कर के मनोज श्रेष्ठ, दूसरा अजमेर के दीपक शर्मा और तीसरा जोधपुर के शिवलाल वर्मा को दिया गया। लिटफ्रेम संस्था द्वारा तीन कंसोलेशन प्राइजेस अरविंद शर्मा, दिनेश डाबी और सुनील शर्मा को दिए गए। सिटी पैलेस संग्रहालय कार्यकारी प्रन्यासी रमा दत्त, कला संस्कृति विभाग के विशेषाधिकारी चित्रकार रामू रामदेव, पत्रकार गोपाल शर्मा, आचार्य हिमानी शास्त्री वैदिक देवस्थापित एवं ज्योतिष आचार्य व प्रेस क्लब के अध्यक्ष राधा रमण शर्मा ने सभी विजेताओं को नकद राशि, सर्टिफिकेट, मोमेंटो देकर सम्मानित किया। पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित अहमद हुसैन और मोहम्मद हुसैन ने फोटो एग्जिबिशन का अवलोकन किया और प्रशंसा की। प्रदर्शनी में विशेष योगदान के लिए ओमवीर भार्गव, दिनेश कुमार सैनी, महेश आचार्य और अजय पारीक को सम्मानित किया गया। रमा दत्त और रामू रामदेव ने आगे भी इस प्रदर्शनी को निरंतर आयोजित करने के लिए सभी को मोटिवेट किया। आयोजक महेंद्र शर्मा, भगीरथ, योगेंद्र गुप्ता और संतोष शर्मा ने आगन्तुकों का आभार जताया।

भास्कर के मनोज श्रेष्ठ को प्रथम पुरस्कार

यह समाचार राजस्थान फोटो उत्सव 2023 के समापन समारोह से संबंधित है, जिसमें उत्कृष्ट फोटोजर्नलिस्टों को सम्मानित किया गया। इस समारोह में दैनिक भास्कर के मनोज श्रेष्ठ को प्रथम पुरस्कार से नवाजा गया। अजमेर के दीपक शर्मा को दूसरा और जोधपुर के शिशलाल वर्मा को तीसरा पुरस्कार मिला। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक व सांस्कृतिक क्षेत्रों के प्रतिष्ठित व्यक्तियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में “आचार्या” हिमानी “शास्त्री” सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और उनके योगदान की सराहना की।

dr.himanij@gmail.com +919829021309

templearchitecture_ himanivedicdevsthapati

www.templearchitecture.com

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री"

ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति

मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ

टेम्पल कनेक्ट मीटः

एक मंच पर आए प्रदेश के 30 से अधिक मंदिरों के महंत



महानगर संवाददाता



जयपुर। टेम्पल कनेक्ट की ओर से होटल ग्रेंड उनियारा में बुधवार को टेम्पल कनेक्ट मीट्स का आयोजन किया। इसमें जयपुर सहित पूरे राजस्थान के 30 से अधिक मंदिरों के महंतों को एक मंच पर लाया गया। टेम्पल कनेक्ट और आईटीसी एक्स के फाउंडर गिरीश वासुदेव कुलकर्णी और आईटीसीएक्स की राष्ट्रीय आयोजन समिति की सदस्य आचार्या हिमानी शास्त्री ने बताया कि कार्यक्रम के माध्यम से फरवरी 2025 में तिरुपति में होने वाले अंतर्राष्ट्रीय मंदिर सम्मेलन और एक्सपो (आईटीसीएक्स)-2025 के लिए प्रदेश के मंदिर प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया। उन्होंने बताया कि जयपुर, राजस्थान को सांस्कृतिक गौरव प्राप्त है क्योंकि इसे छोटी काशी माना जाता है। इस कार्यक्रम में मंदिर के संरक्षक और ट्रस्टियों की उत्साही भागीदारी देखी गई। जिन्होंने मंदिर प्रबंधन पर अपने दृष्टिकोण साझा किए और आईटीसीएक्स 2025 के मिशन के साथ जुड़ने में गहरी रुचि व्यक्त की। इस ऐतिहासिक सभा ने भारत के आध्यात्मिक और मंदिर प्रशासन तंत्र में राजस्थान के महत्वपूर्ण योगदान को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम में गिरिश वासुदेव कुलकर्णी ने मन्दिरों के उत्थान और नवीनीकरण की तकनीक की आवश्यकता को समझाया। साथ ही आगामी कार्यक्रम का निमंत्रण राजस्थान के सभी मंदिरों को दिया। इस कार्यक्रम का समन्वय आईटीसीएक्स की राष्ट्रीय आयोजन समिति की सदस्य आचार्या हिमानी शास्त्री और आईटीसीएक्स राजस्थान की क्षेत्रीय आयोजन समिति के आचार्य अनुपम जौली ने किया। इस अवसर पर आचार्य गोपाल शरण महाराज, महामंडलेश्वर मुरली मनोहर दास, पं. संतोष कुमार व्यास, आचार्य संतोष कुमार भट्ट, नटवर लाल पंचा, पं. गौरव शर्मा, आचार्य देव शर्मा, महंत किशोरी शर्मा, धर्म प्रचारक विजय शंकर पांडे सहित अनेक मंदिरों के महंत और पुजारी उपस्थित रहे।

टेम्पल कनेक्ट मीट का आयोजन

प्रदेश के 30 से अधिक मंदिरों के महंत आए एक मंच पर

समाचार जगत न्यूज

जयपुर. टेम्पल कनेक्ट की ओर से एक निजी होटल में बुधवार को टेम्पल कनेक्ट मीट्स का आयोजन किया। इसमें जयपुर सहित पूरे राजस्थान के 30 से अधिक मंदिरों के महंतों को एक मंच पर लाया गया। टेम्पल कनेक्ट और आई टी सी एक्स के फाउंडर गिरीश वासुदेव कुलकर्णी और आईटीसीएक्स की राष्ट्रीय आयोजन समिति की सदस्य आचार्या हिमानी शास्त्री ने बताया कि कार्यक्रम के माध्यम से फरवरी 2025 में तिरुपति में होने वाले अंतर्राष्ट्रीय मंदिर सम्मेलन और एक्सपो (आईटीसीएक्स)-2025 के लिए प्रदेश के मंदिर प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया। इस ऐतिहासिक सभा ने भारत के आध्यात्मिक और मंदिर प्रशासन तंत्र में राजस्थान के महत्वपूर्ण योगदान को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम में गिरिश वासुदेव कुलकर्णी ने मन्दिरों के उत्थान और नवीनीकरण की तकनीक की आवश्यकता को समझाया। साथ ही आगामी कार्यक्रम का निमंत्रण राजस्थान के सभी मंदिरों को दिया। इस कार्यक्रम का समन्वय आईटीसीएक्स की राष्ट्रीय आयोजन समिति की सदस्य आचार्या हिमानी शास्त्री और आईटीसीएक्स राजस्थान की क्षेत्रीय आयोजन समिति के आचार्य अनुपम जौली ने किया। कार्यक्रम प्रतिष्ठित मंदिरों और उनके प्रबंधकों का एक अद्भुत जमावड़ा बन गया।

मंदिरों का इतिहास किया साझा



जयपुर @ पत्रिका. टेम्पल कनेक्ट की ओर से बुधवार को त्रिमूर्ति सर्कल स्थित एक होटल में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें जयपुर सहित राजस्थान के 30 से अधिक मंदिरों के महंतों ने एक मंच पर संवाद किया।

अंतरराष्ट्रीय मंदिर सम्मेलन और एक्सपो-2025 के संस्थापक गिरीश वासुदेव कुलकर्णी और आचार्या हिमानी शास्त्री ने बताया कि 2025 में तिरुपति में होने वाले अंतरराष्ट्रीय मंदिर सम्मेलन और एक्सपो के लिए राजस्थान के मंदिर प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया। साथ ही छोटीकाशी के मंदिरों की जानकारी साझा की गई। मंदिर प्रबंधनों ने मंदिरों के इतिहास, जीर्णोद्धार और अन्य विकास कार्यों पर चर्चा की। गिरीश वासुदेव ने मंदिरों के उत्थान और नवीनीकरण

dr.himanij@gmail.com

+919829021309

templearchitecture_

himanivedicdevsthapati

www.templearchitecture.com

"आचार्य" हिमानी "शास्त्री"

ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति

मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ

आचार्य हिमानी शास्त्री के पुरस्कार एवं उपलब्धियां

हिमानी शास्त्री को कई बार सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने कई बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत को गौरवान्वित किया है। उनके सभी पुरस्कार और उपलब्धियां केवल इसलिए हैं क्योंकि वह मानवता पर गहराई से विश्वास करती हैं, दूसरों की समस्याओं को हल करना जीवन का प्राथमिक लक्ष्य है। वह दूसरों की समस्याओं को हल करने की अपनी क्षमता को एक दैवीय वरदान के रूप में देखती है। दूसरों के जीवन में खुशियां लाने के परिणामस्वरूप, भगवान ने उसे निम्नलिखित पुरस्कार और उपलब्धियां प्रदान की हैं।

- **कात्यायनी ज्योतिष संस्थान, मुंबई द्वारा ज्योतिष महर्षि पुरस्कार।**
- **थर्ड आई स्पिरिचुअल रिसर्च फाउंडेशन द्वारा समत्वम पुरस्कार।**
- **इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ओरिएंटल हेरिटेज, कलकत्ता द्वारा भारत भूषण पुरस्कार ।**
- **प्रो. के.एस. मेमोरियल अवार्ड, "के.पी. स्टालर एस्ट्रोलॉजिकल" द्वारा सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार**
- **"अनुसंधान संस्थान" चेन्नई।**
- **वर्ष 2015 में "श्री" द्वारा "टैरो में अनुसंधान के लिए सम्मान का पुरस्कार" प्रदान किया गया है "जगदीश एच मकवाना, काउंसिल जनरल, लूजर्न, स्विट्जरलैंड"।**
- **वर्ष 2014 में, कालजयी इंटरनेशनल पैरा ईवीएम ज्योतिष वास्तु शोध संस्थान, नई दिल्ली "देवाज्ञ शिरोमणि" के रूप में सम्मानित किया गया है।**
- **वर्ष 2013 में ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ एस्ट्रोलॉजर्स सोसाइटी, नई दिल्ली द्वारा सम्मानित किया गया "ज्योतिष श्री"।**
- **वर्ष 2012 में अखिल भारतीय ज्योतिष संस्था संघ, नई दिल्ली द्वारा पुरस्कृत किया गया "ज्योतिष महर्षि"।**
- **वर्ष 2011 में फ्यूचर पॉइंट, नई दिल्ली ने "ज्योतिष शिरोमणि" एवं फ्यूचर पुरस्कार से सम्मानित किया**
- **समाचार, नई दिल्ली "ज्योतिष मर्मज्ञ"।**
- **वर्ष 2010 में अखिल भारतीय ज्योतिष संस्था संघ, नई दिल्ली द्वारा पुरस्कृत किया गया।**
- **"ज्योतिष मार्तंड" एवं अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान ईवीएम ज्योतिष महा-सम्मेलन के रूप में "ज्योतिष आचार्य"।**

dr.himanij@gmail.com +919829021309

templearchitecture_ himanivedicdevsthapati

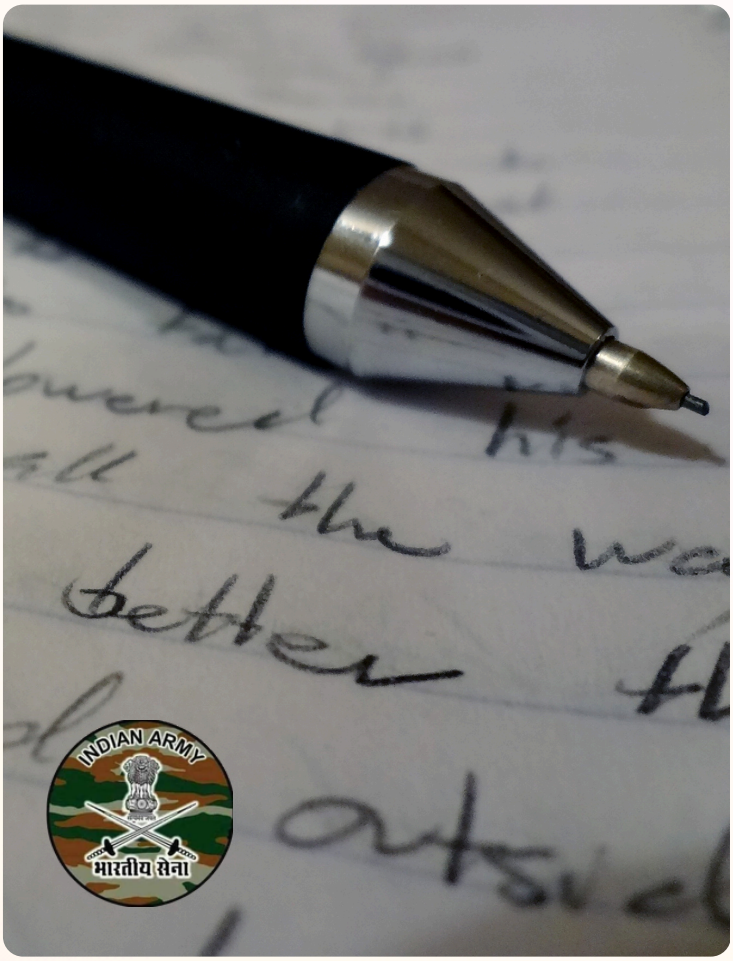
www.templearchitecture.com

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री"

ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति

मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ

- **वर्ष 2009 में गायत्री ज्योतिष ईवीएम पराविज्ञान शोध संस्थान, अजमेर ने पुरस्कृत किया।**
- **उन्हें "ज्योतिष मर्मज्ञ" और अखिल भारतीय ज्योतिष संस्था संघ, नई दिल्ली के रूप में जाना जाता है "ज्योतिष आचार्य"।**
- **वर्ष 2008 में अखिल भारतीय वेद विज्ञान परिषद, मेरठ (यूपी) ने उन्हें पुरस्कृत किया**
- **"शास्त्री" और अखिल भारतीय ज्योतिष संस्था संघ, नई दिल्ली को "ज्योतिष मनीषी" कहा गया।**
- **वर्ष 2007 में, ऑल इंडिया फेडरेशन सोसाइटी ऑफ एस्ट्रोलॉजर्स, नई दिल्ली ने उन्हें पुरस्कार से सम्मानित किया "ज्योतिष महर्षि"।**



भारतीय सेना को ग्राफोलॉजी पढ़ाना

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री" को वर्ष 2016 में भारतीय सेना के रक्षा अधिकारियों को ग्राफोलॉजी पढ़ाने का सुनहरा अवसर मिला। ग्राफोलॉजी लिखावट के पैटर्न और विशेषताओं को समझने का अध्ययन है। यह व्यक्ति की मनोवैज्ञानिक स्थिति को जानने में सहायक है। भारतीय इतिहास में पहली बार भारतीय सैन्य अधिकारियों को इस प्रकार का प्रशिक्षण दिया गया। ऐसा उन्हें अपराधियों के मनोविज्ञान को समझाने और उनके भविष्य के कार्यों की भविष्यवाणी करने के लिए किया गया था ताकि उन्हें रोका जा सके।

dr.himanij@gmail.com

+919829021309

templearchitecture_

himanivedicdevsthapati

www.templearchitecture.com

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री"

ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति

मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ



राजस्थान पत्रिका के लिए साप्ताहिक राशि चक्र भविष्यवाणी कॉलम (2005-2008)

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री" को राजस्थान पत्रिका में 3 वर्षों तक राशि चक्र भविष्यवाणी कॉलम लिखने का अनुभव है।



91.1 रेडियो सिटी एफएम के साथ मॉर्निंग शो 2007 से



दैनिक भास्कर के लिए साप्ताहिक राशि चक्र भविष्यवाणी कॉलम (2008-2010)

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री" ने दैनिक भास्कर नामक समाचार पत्र के लिए साप्ताहिक राशि भविष्यवाणी कॉलम में भी अपना योगदान दिया है। यह 2008 से 2010 तक था।



जी राजस्थान के साथ सोमवार लाइव शो (2015) से

जी राजस्थान पर प्रत्येक सोमवार को होने वाले लाइव शो में "आचार्या" हिमानी "शास्त्री" भी भाग ले रही हैं। यह शो वर्ष 2015 से बेहद सफल रहा है और लोगों को इससे अत्यधिक लाभ हो रहा है।

dr.himanij@gmail.com

+919829021309

templearchitecture_

himanivedicdevsthapati

www.templearchitecture.com

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री"

ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति

मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ



वर्तमान में (2016) वह एक प्रसिद्ध पत्रिका टीवी चौनल के साथ भी काम कर रही हैं।



वैदिक ज्योतिष पर वृत्तचित्र

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री" ने एक डॉक्यूमेंट्री के निर्माण में योगदान दिया है जो वैदिक ज्योतिष के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए बनाई गई थी। डॉक्यूमेंट्री कोलंबिया यूनिवर्सिटी, यूएसए द्वारा तैयार की गई थी।

dr.himanij@gmail.com

+919829021309

templearchitecture_

himanivedicdevsthapati

www.templearchitecture.com

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री"
ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति
मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ

धार्मिक धरोहर के लिए किए गए

प्रयास

dr.himanij@gmail.com
+919829021309
templearchitecture_
himanivedicdevsthapati
www.templearchitecture.com

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री"
ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति
मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ

1). बहुमूल्य रत्नों से निर्मित 22 करोड़ के गणपति का निर्माण।




दैनिक भास्कर
आज नो निगेटिव अखबार
बहुमूल्य रत्नों से निर्मित 22 करोड़ के गणपति को ऐसटेक में किया एग्जीबिट
GOD OF GEMS


राजस्थान पत्रिका
ANCHOR
मुंबई की एग्जीबिशन में छाए 22 करोड़ के गणेश
स्फटिक के शक्तिस्तंभ पर विराजित है गणेश

इस समाचार लेख में बताया गया है कि मुंबई में आयोजित एक्ज़ीबिशन में 22 करोड़ रुपए मूल्य के गणपति की प्रतिमा ने सबका ध्यान आकर्षित किया। यह अद्वितीय प्रतिमा बहुमूल्य रत्नों और दुर्लभ क्रिस्टल से बनाई गई है।

लेख में उल्लेख है कि यह अद्भुत कृति **"आचार्या" हिमानी "शास्त्री"** के सुपरविजन में तैयार हुई है, जो कला, अध्यात्म और वास्तु का सुंदर संगम प्रस्तुत करती है। गणपति की इस प्रतिमा का आधार भी दुर्लभ और कीमती क्रिस्टलों से सुसज्जित है, जो इसे और भी आकर्षक बनाता है।
यह अद्वितीय प्रतिमा अपनी भव्यता और कला के लिए आकर्षण का केंद्र रही। इसमें कीमती रत्नों का उपयोग कर अद्वितीय शिल्प कौशल दिखाया गया है, जो भारतीय कला और संस्कृति की भव्यता को दर्शाता है।

dr.himanij@gmail.com
+919829021309
templearchitecture_
himanivedicdevsthapati
www.templearchitecture.com

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री"
ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति
मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ

2). ओम कल्याणम रिसोर्ट में तत्वमयी मेडिटेशन केंद्र की स्थापना







ओम कल्याणम वेलनेस रिसॉर्ट – "आचार्या" हिमानी "शास्त्री" द्वारा डिज़ाइन किया गया, भव्य दून वैली की गोद में बसा ओम कल्याणम वेलनेस रिसॉर्ट आपको समग्र जीवनशैली (Holistic Living) का सच्चा अनुभव प्रदान करता है, जहाँ विलासिता और वेलनेस का अद्भुत संगम है।

ओम कल्याणम में हम आपको एक परिवर्तनकारी सफर के लिए आमंत्रित करते हैं, जो आपके आध्यात्मिक, भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को संवारता है।
यहाँ उपलब्ध हैं विश्वप्रसिद्ध वेलनेस थैरेपीज़: पारंपरिक आयुर्वेद, आधुनिक वेलनेस थैरेपीज़, भावनात्मक एवं मानसिक हीलिंग, एनर्जी हीलिंग और आभामंडल शुद्धि, आध्यात्मिक चिकित्सा, चक्र संतुलन है।
हर आयु वर्ग के लिए उपयुक्त, ओम कल्याणम आपको एक पुनर्जीवित करने वाला अनुभव देता है, जो आपके जीवन को नई दिशा देगा।

✨ **ओम कल्याणम – जहाँ वेलनेस है, वहाँ जीवन है।**

dr.himanij@gmail.com
+919829021309
templearchitecture_
himanivedicdevsthapati
www.templearchitecture.com

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री"

ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति

मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ

1400 वर्ष पुराने शिवलिंग की पुनर्स्थापना











सामाजिक सहयोग से 1400 वर्ष पुराने शिवलिंग का पुनर्स्थापन संभव हो सका। इसके साथ ही सम्पूर्ण शिव परिवार और माँ भगवती की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा बिटिया के पावन हाथों से संपन्न हुई। वीर स्वरूप में हनुमान जी भी विराजमान हुए।

माँ भगवती सदा अपना स्नेह और आशीर्वाद बनाए रखें।

dr.himanij@gmail.com

+919829021309

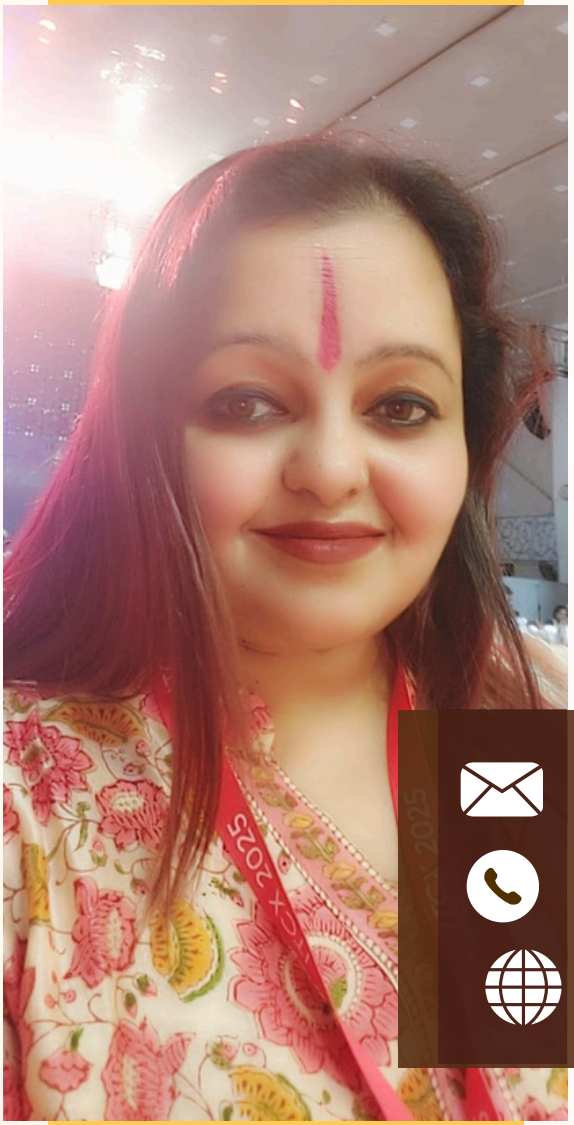
templearchitecture_

himanivedicdevsthapati

www.templearchitecture.com

"आचार्या" हिमानी "शास्त्री"

ज्योतिष एवं वैदिक देवस्थापति
मंदिर एवं प्रतिमा निर्माण की विशेषज्ञ



अध्यक्ष: मैत्रेय संस्थान

राष्ट्रीय अध्यक्ष: हिन्दू मन्दिर उत्थान एवं पुनर्निर्माण ट्रस्ट

प्रणेता: प्राचीन मंदिर उत्थान एवं पुनर्निर्माण संकल्प यात्रा (विश्वव्यापी यात्रा)

dr.himanij@gmail.com

+919829021309

templearchitecture.com

dr.himanij@gmail.com

+919829021309

templearchitecture_ himanivedicdevsthapati

www.templearchitecture.com

International School of Astrology and Divine Science

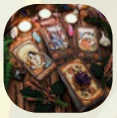
इंटरनेशनल स्कूल ऑफ़ एस्ट्रोलॉजी एंड डिवाइन साइंसेज एक प्रतिष्ठित संस्थान है, जिसका उद्देश्य ज्योतिष और दिव्य विज्ञान से जुड़े सभी विषयों का गहन अध्ययन और ज्ञान प्रदान करना है। यह संस्थान एक संवेदनशील और सकारात्मक शिक्षण दृष्टिकोण अपनाता है, जहाँ न केवल शैक्षणिक ज्ञान दिया जाता है, बल्कि विद्यार्थियों के आत्म-विकास और सकारात्मक सोच पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है।

हमारा विज़न

ज्ञान के माध्यम से आत्म-विकास और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना।

हम क्या सिखाते हैं?


Vedic Astrology


Tarot Card Reading


Vastu Shastra


Ramal Shastra

जो अभ्यर्थी उपरोक्त पाठ्यक्रमों को सीखना चाहते हैं, कृपया अभी नामांकन करें:

- www.astrologynspiritualism.com
- www.astrologyrays.com
- www.tarotgyan.com
- www.vaastuved.com
- www.ramalastrology.com

REGISTER NOW

templearchitecture.com +919829021309 dr.himanij@gmail.com